डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 25 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 8 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

जयपुर वॉल सिटी यानी परकोटा अपनी पहचान खोने की कग़ार पर...

शक्ल बदलती इमारतें और लुप्त होती विरासतें

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। राजस्थान का दिल जयपुर अपनी अमूल्य विरासतों-धरोहरों को लेकर धड़कता है यूनेस्को के सीने में। पर क्या यह धड़कन धीरे-धीरे दम तोड़ रही है?

इन्हीं ऐतिहासिक धरोहरों की एक इकाई है जयपुर परकोटे में बनी पारम्परिक हवेलियाँ।

इन्हीं हवेलियों में एक नाम है नाना जी की हवेली जो कि भूखंड संख्या 967, चौकड़ी विश्वेश्वर जी गोपाल जी का कौना, चौड़ा रास्ता जयपुर में स्थित है। जो वर्तमान में जयपुर कॉलेज के रूप में अपनी पहचान लिए हुए है।

इसकी वास्तविक पहचान उसके शिल्प, नक्काशी, पारम्परिक कला और शक्ल में समाई है। इस हेरिटज विश्व धरोहर को ध्वस्त कर नए रूप में निरन्तर बिना किसी रोक-टोक के ढाला जा रहा है। इसी के साथ-साथ भवन रेखा से आगे सड़क सीमा में अतिक्रमण कर चार मंजिला अवैध निर्माण कर छत डाल ली गयी है।

शहर के बीचोंबीच हंगामा बरपा है लेकिन इस शहर के कान, नाक, आँख जैसे काम करना बंद हो गए हैं। शहरीकरण और नवीनीकरण के साथ-साथ व्यावसायिकरण की ऐसी होड़ मची है कि सरकार का ध्यान ही नहीं कि हम अब यूनेस्को की सूची से बाहर होने की पूरी कोशिश में है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र का वह शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन है जो विश्व की किसी भी कोने में छिपी सांस्कृतिक, मौलिक, ऐतिहासिक, शैक्षणिक व वैज्ञानिक धरोहर को सरंक्षित करने को कटिबद्ध होता है।

जुलाई 2019 में जयपुर परकोटा यानी उसकी चारदीवारी प्राचीन सिटी को यूनेस्को के विश्व स्तरीय विरासत सूची में हेरिटज सिटी के रूप में शामिल किया गया। इसका आशय है कि अब यह विरासत केवल राजस्थान या भारत देश की विरासत नहीं बल्कि विश्वस्तरीय विरासत बन गयी जो भारतीय इतिहास के पन्नों को गहराई से समझने के लिए प्रायोगिक शाला का काम करती है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। इस निर्णय के पश्चात पर्यटकों में बढ़ते आकर्षण के चलते लोगों को विभिन्न प्रकार से रोजगार भी मिलता है जैसे हस्तशिल्प, हस्तकरघा, उद्योग, परिवहन, पर्यटन, होटल इंड्रस्ट्री हर एक छोटे-बड़े व्यवसाय का इस पर सीधा-सीधा असर दिखाई देने लगता है। जहाँ एक ओर उच्च न्यायालय जयपुर के द्वारा स्थानीय निकाय (जो कि हेरिटज नगर निगम है) को व राज्य सरकार को स्पष्ट आदेश पारित किया गया है कि आवासीय भूखंडों पर अवैध व्यवसायिक निर्माण गतिविधि नहीं की जा सकती एवं इस पर व्यवासायिक कॉम्प्लेक्स नहीं बनाए जा सकेंगे। उसके बावजूद निरन्तर नवीनीकरण निर्माण हो रहा है बस पहले खुले में हो रहा था अब लोहे की चादर चढ़ा कर हो रहा है।

राजधानी जयपुर शहर का ये गुलाबी बांकपन परकोटे में और ख़ूबसूरती से उभर कर आता है। वास्तुशिल्प, रंग-रोगन, नक्काशी व पारंपरिक घुमावदार झरोखें व खिड़कियाँ जयपुर शहर की आन-बान-शान, कला व संस्कृति की कहानी कहते हैं। शहर की ये ऐतिहासिक पौराणिक इमारतें शहर को एक अलग परिभाषा में गढ़ती है। विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद यह ऐतिहासिक शहर पर्यटन को तो रेवेन्यू देता ही है इसके अतिरिक्त स्थानीय लोगों व व्यापार को भी गति मिलती है लेकिन निरन्तर हो रहे नवीनीकरण से शहर अब अपनी पहचान खो रहा है और इसी के साथ-साथ खो रही है उसकी विश्वस्तरीय पहचान। क्योंकि हौसलें बुलंद हैं आताताइयों के। नगर निगम हेरिटज की महारानी बनी मुनेश गुर्जर मौन हैं बस उनके हूटर की आवाज़ ज़रूर बुलंद है जो उनके मनमाने व तानाशाही रवैये को बयां करती है। राज्य सरकार की वर्तमान मंशा यहाँ साफ नज़र नहीं आती। राज. सरकार, उच्च न्यायालय जयपुर के स्थगन आदेश की अवमानना का चरम यह है कि इस तरह के निर्माण निरन्तर ऐतिहासिक धरोहर पर कुठाराघात कर रहे हैं। इस सम्बन्ध में मीडिया में निरन्तर प्रकाशित ख़बरों, जन प्रतिनिधि आंदोलनों, स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद यह सत्ता की कौनसी शक्ति है जो हिटलर की स्मृति को ज़िंदा कर रही है।

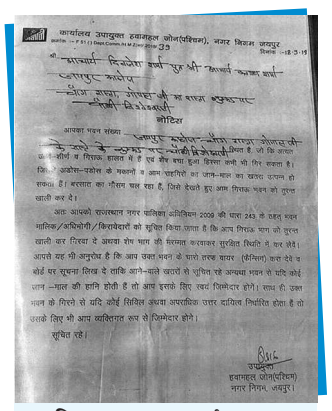

18 सितम्बर 2019 कार्यालय उपायुक्त हवामहल जोन (पश्चिम) नगर निगम जयपुर उपायुक्त द्वारा जयपुर कॉलेज को एक नोटिस एफ 51/डीईपीटीकॉम/एचएमजेड (डब्ल्यू) 2019/39 जारी किया गया जिसमें राज. न.पा. अधिनियम 2009 की धारा 243 का हवाला देते हुए आचार्य दिवजेश शर्मा पुत्र श्री आचार्य कल्याण शर्मा जयपुर कॉलेज चौड़ा रास्ता गोपाल जी का रास्ता, नुक्कड़ को भवन मरम्मत का आदेश दिया गया जबकि भवन की स्थिति बिल्कुल दुरूस्त थी। क्या यह नोटिस हेरीटेज युनेस्को के नियमों को नज़रअंदाज कर अपने मंसूबों को अंजाम देने का सोचा समझा तरीका था? जिससे कि मरम्मत की आड़ में उक्त भवन पर नवीनिकरण कर व्यवसायिक कॉम्पलेक्स बनाया जा सके। क्या यह नोटिस मनमानी करने का खुला आमंत्रण व अनुमति देने का माध्यम बनता प्रतीत नहीं होता?

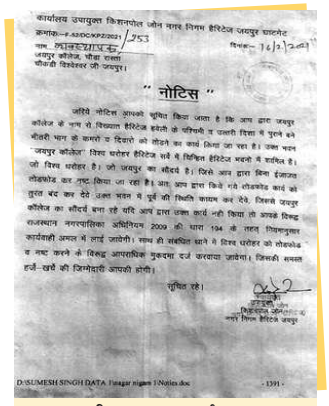

16 फरवरी 2021 कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम हेरिटेज जयपुर घाटगेट के पत्र क्रमांक एफ-52/डीसी/के पीजेड/2021/253 उपायुक्त द्वारा प्रथम नोटिस 2019 के ठीक विपरीत नोटिस जारी किया गया कि जयपुर कॉलेज विश्व धरोहर हेरिटेज सर्वे में चिन्हित भवन है जिसे बिना इज़ाजत के तोड़फोड़ कर नष्ट किया जा रहा है। राज.न.पा. अधिनियम 2009 की धारा 194 के तहत सम्बन्धित भवन के मालिक व जयपुर कॉलेज व्यवस्थापक पर आपराधिक कार्रवाई की जायेगी। अतः भवन के मूल रूप को पुनः स्थापित कर पूर्व की स्थिति कायम की जाये।

क्या इन नोटिसों का विरोधाभास हेरिटेज नगर निगम के खोखलेपन, भ्रष्टाचारी एवं तानाशाही रवैये व आताताई मंसूबों को पुख्ता नहीं करता है?

मुख्यमंत्री ने राज्य की पहली कैंसर निदान वैन का किया अवलोकन

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर निरोगी राजस्थान से जुड़ी प्रदर्शनी एवं राज्य की पहली कैंसर निदान वैन का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री के साथ मौजूद उद्योगपति एल. एन. मित्तल ने भी समस्त सुविधाओं से युक्त ऐसी ही एक वैन देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की उपयोगिता को देखते हुए जयपुर स्थित एल.एन.एम. इंस्ट्यीट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से जुड़े 100 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट से सवाई मानसिंह हॉस्पिटल को जोड़ा जाएगा। मित्तल ने बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं एवं कुपोषित बच्चों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में भी मदद की पेशकश की। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। कोरोना संक्रमण के दौरान राज्य सरकार के बेहतरीन प्रबंधन की सर्वत्र सराहना हुई है। मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, निःशुल्क जांच योजना एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर भण्डारी ने बताया कि करीब 1 करोड़ 20 लाख रूपए की लागत से यह आत्याधुनिक कैंसर निदान वैन सीएसआर के माध्यम से राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा उपलब्ध करवाई गई है।

नहीं है सत्ताविरोधी लहरः गहलोत बोले...

हमारे कामों से अच्छा माहौल बना, अगली बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीन साल बाद भी सरकार के खिलाफ किसी तरह की एंटी इंकबेंसी से इनकार करते हुए फिर से सरकार बनाने का दावा किया है। गहलोत ने कहा- राजस्थान में हमारे कामों से माहौल बना है। जो काम सरकारी मशीनरी, राजनेताओं ने मिलकर किया है, उससे अच्छा माहौल है। आज तीन साल बाद भी सत्ताविरोधी लहर पैदा नहीं हुई है। मुझे यकीन है कि यही माहौल रहा तो अगली बार सरकार वापस कांग्रेस की ही बनेगी। इसी रूप में हम रात दिन काम करते रहेंगे। कोरोना में भी हमने एक दिन भी रेस्ट नहीं किया। गहलोत सीएम निवास पर सरकार के तीन साल पूरे होने पर वर्चुअल लोकार्पण समारोह में बोले रहे थे।

हमने वसुंधरा राजे की कोई योजना बंद नहीं कीः गहलोत ने कहा- लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं लेकिन काम बंद नहीं करने चाहिए। हमने वसुंधरा राजे की कोई योजना बंद नहीं की। जबकि उन्होंने कोई हमारी योजना चालू नहीं रखी थी। वसुंधरा राजे जब भी सत्ता में आईं, हमारी योजनाओं को बंद किया। उनकी पार्टी की सोच भी यही है।

रिफाइनरी प्रोजेक्ट 38 हजार से 70 हजार करोड़ का हुआः गहलोत ने कहा- हमारी सरकार के वक्त पिछली बार शुरू किए गए रिफाइनरी प्रोजेक्ट को पांच साल तक बंद रखा गया। रिफाइनरी का काम बंद नहीं किया होता तो अब तक यह बन चुकी होती। आज हालत यह बन गई कि 38 हजार की योजना 70 हजार करोड़ की योजना बन गई है। हमारे समय किए गए शिलान्यास के बावजूद जब चुनाव आने लगे तो फिर से प्रधानमंत्री को बुलाया गया। हमने जब आवाज उठाई तो फिर रास्ता निकाला गया और फिर कहा गया कि कार्य प्रारंभ करने के अवसर पर पीएम को बुलाया जा रहा है।

राज्यों को फाइनेंशियली कमजोर कर रही है मोदी सरकारः गहलोत ने केंद्र और पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा- प्रधानमंत्री और भारत सरकार को अब राज्यों की चिंता करनी चाहिए। कोरोना का मुकाबला राज्य सरकारों ने किया है। विकास में राज्यों की भूमिका बहुत बड़ी होती हे। केंद्र की नीतियां राज्यों को कमजोर कर रही हैं। केंद्रीय योजनाओं में राज्यों पर भार डाल दियाा है। पहले 80 फीसदी तक पैसा केंद्र देता था। अब 50 फीसदी का भार राज्यों पर डाल दिया है। केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा भी कम कर दिया है।

बीजेपी विधायक रुपाराम मुरावतिया ने माना... हमने भी भ्रष्टाचार किया

हम दूसरों को दोष देते रहे, जब भी मौका मिला, खूब खाया-पीया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नागौर जिले के मकराना से बीजेपी विधायक रूपाराम मुरावतिया भ्रष्टाचार को लेकर अपनी ही पार्टी के खिलाफ बयान देकर चर्चा में आ गए हैं। रूपाराम मुरावतिया ने कहा- आज भ्रष्टाचार से भरपूर कांग्रेस पार्टी है, लेकिन मैं यह खरी-खरी कह रहा हूं कि हमारी भारतीय जनता पार्टी भी भ्रष्टाचार से अछूत नहीं है। हम दूसरों को दोष देते रहें। मैंने कहा- कभी जो आपने किया वहीं हमने किया। जब भी मौका मिला खाने का, खूब खाया खूब पीया। जब दोष देने का मौका आया तो एक-दूसरे पर मढ़ दिया। जो पार्टी सच्चाई के रास्ते पर चलेगी, वही आगे बढ़ेगी। रूपाराम ने नागौर में बीजेपी की जनआक्रोश रैली के दौरान भ्रष्टाचार को लेकर अपनी ही पार्टी पर सवाल उठाए।

रूपाराम ने कहा- सरकार कहती है भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस है। मैंने विधानसभा में पूछा था कि भ्रष्टाचार करने के लिए जीरो टॉलरेंस है या नहीं करने के लिए, यह आज तक मेरे समझ में नहीं आई। इस समय एक भी सरकारी विभाग, सरकारी उपक्रम, सरकारी विकास का काम या योजना एक भी बता दीजिए जिसमें भ्रष्टाचार, बेईमानी और झूठ कपट नहीं हो।

दुर्भाग्य है कि प्रधानमंत्री की बात को नेता आगे नहीं बढ़ा रहेः रूपाराम ने कहा- हमारी पार्टी में कई अच्छाई हैं राष्ट्र के प्रति। हमारे प्रधानमंत्री ने सरल शब्दों में जमीन से जुड़ी बात कह दी कि न खाऊंगा न खाने दूंगा। 70 साल में पहला ऐसा प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने यह बात कही। आज तक किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं कहा। उसके बाद भी हमारी पार्टी के बड़े-बड़े नेता यह नहीं बोल रहे हैं कि ना खाऊंगा ना खाने दूंगा। यह दुर्भाग्य है हमारा। हमें प्रधानमंत्री की इस सोच को आगे बढ़ाना है, हर छोटे कार्यकर्ता तक यह बात पहुंचानी है कि हमारे प्रधानमंत्री ने न खाऊंगा न खाने दूंगा का नारा दिया है, हमें इसी पर चलना है।

इससे पूर्व भी भ्रष्टाचार को लेकर रूपाराम मुरावतिया पहले भी कई बार अपनों पर सवाल उठा चुके हैं। विधानसभा में कई बार भ्रष्टाचार पर खुलकर बोले हैं। कांग्रेस के साथ बीजेपी को भी घेर चुके हैं। नागौर की रैली में दिए बयान की सियासी हलकों में चर्चा शुरू हो गई है।

रूपाराम मुरावतिया का इशारा किसकी तरफ

रूपाराम मुरावतिया ने सरकार में रहे अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठा दिए हैं। पिछली बीजेपी सरकार के दौरान कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इस बयान से कांग्रेस को एक बार फिर पुराने भ्रष्टाचार के आरोप रिकॉल करने का मौका मिल गया है। कांग्रेस मुरावतिया के इस बयान को अब बीजेपी को घेरने के लिए इस्तेमाल करेगी।

राजस्थान में सर्दी ने तोड़ा रिकॉर्ड

प्रदेश के 5 जिलों में माइनस में पहुँचा पारा

खेतों में जमी बर्फ, कड़ाके की सर्दी ने बढ़ाई परेशानी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में सर्दी का सितम आम आदमी के लिए परेशानी का कारण बन गया है। प्रदेश में हिमालय से आने वाली ठंडी हवाओं ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है। जिसकी वजह से प्रदेश के छह जिलों में तापमान माइनस में चला गया है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में अगले 48 घंटों में सर्दी का सितम और बढ़ने की संभावना बनी हुई है।

हिमाचल, कश्मीर, उत्तराखंड के मैदानों में बर्फ जमने जैसा नजारा राजस्थान के कई शहरों में देखने को मिला। शीतलहर चलने और गलनभरी सर्दी के कारण सीकर, चूरू, चित्तौरगढ़ (KVK), माउंट आबू, फतेहपुर, जयपुर के जोबनेर में पारा माइनस में चला गया। इस साल पहली बार ऐसा हुआ जब फतेहपुर के अलावा चार और जगहों पर पारा जीरो से नीचे चला गया। शेखावाटी अंचल, हिल स्टेशन माउंट आबू, जयपुर समेत कई जगह खुले इलाकों में बर्फ जम गई। वहीं बीती रात सबसे कम तापमान फतेहपुर में माइनस 4.7 दर्ज किया गया। जो इतिहास में अब तक का सबसे काम है।

बीती रात चूरू में माइनस 2.6, माउंट आबू में माइनस 1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। आबू में सुबह 9 बजे तक मैदानों में बर्फ जमी नजर आई। यहां अमूमन पारा 0 के बाद एक-एक डिग्री की गिरावट के साथ माइनस में जाता है। माउंट आबू के मैदानों में और नक्की झील के किनारे बर्फ परत जमी नजर आई। इसके अलावा पिलानी, हनुमानगढ़, नागौर, भीलवाड़ा में तापमान 0 से 1 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ।

जयपुर के जोबनेर में खेतों में सिंचाई के लिए लगे पानी के पाइपों में से पानी की जगह बर्फ के टुकड़े निकले। सीकर के फतेहपुर शेखावाटी में घरों के बाहर खुले में बर्तनों में रखा पानी जम गया। वहीं, जैसलमेर में खेतों में लगे पाइप से निकला पानी भी जम गया।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

संपादकीय

आधी आबादी की दशा सुधारने में निर्णायक सिद्ध होगी विवाह के लिए न्यूनतम आयु बढ़ाना

कोई भी समाज व्यवस्था संपूर्ण नहीं होती। उसमें परिवर्तन की आवश्यकता सदैव बनी रहती है। भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने विशेषकर महिलाओं की दशा सुधारने के लिए तमाम आंदोलन चलते रहे हैं, लेकिन महिला सशक्तीकरण संबंधी सुधार की गति बहुत धीमी थी। महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ताजा पहल महत्वपूर्ण है। मोदी सरकार ने कन्या के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने का निर्णय लिया है। इससे वर-वधू के लिए विवाह की न्यूनतम आयु एकसमान हो जाएगी। सरकार तत्संबंधी विधेयक लाने वाली है। इस प्रस्ताव का चहुंओर स्वागत हो रहा है, लेकिन कुछ प्रतिगामी तत्व इसका घोर विरोध कर रहे हैं। सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क, एसटी हसन और पार्टी नेता अबू आजमी ने लज्जाजनक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बर्क ने कहा कि विवाह की उम्र बढ़ाने से लड़कियों को आवारगी का मौका मिलेगा, जिससे हालात बिगड़ेंगे। हसन ने कहा, 'महिलाओं की प्रजनन आयु 16-17 वर्ष से 30 वर्ष तक होती है। शादी में देरी से बांझपन की आशंका बढ़ जाती है।' ऐसे तत्व अपनी पुरानी किताबों का भी सहारा लेते हैं। उनकी मानें तो 18 वर्ष से ऊपर की शिक्षित सुयोग्य, आत्मनिर्भर, अविवाहित बेटियां आवारा हैं। उनकी प्रतिक्रिया घोर आपत्तिजनक है।

भारत में 19वीं सदी से ही महिलाओं की स्थिति सुधारने के गंभीर प्रयास हुए हैं। अग्रणी समाज सुधारक राजा राममोहन राय ने समाज की तत्कालीन जड़ता पर प्रहार किए थे। उन्होंने सतीप्रथा के विरुद्ध 1818 में जनमत बनाया। वह श्मशानों में जाते और विधवाओं के रिश्तेदारों से आत्मदाह को रोकने का आग्रह करते। उन्होंने बहुविवाह का भी विरोध किया और महिलाओं को संपत्ति संबंधी अधिकार भी दिए जाने की मांग की। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने भी 1855 में पुनर्विवाह के पक्ष में शक्तिशाली जनमत बनाया। विधवा पुनर्विवाह के पक्ष में कानून बनाने का अनुरोध किया और कानून बना भी। पहला कानूनी हिंदू विधवा पुनर्विवाह कोलकाता में 7 दिसम्बर, 1856 को हुआ। उन्होंने 1850 में बाल विवाह के विरोध में भी जनमत बनाया। बहुविवाह के विरुद्ध भी वह सक्रिय रहे। तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती ने 'नारी स्वाधीनता' लेख में स्त्री दुर्दशा के सुधार के लिए उत्तर वैदिक काल की गार्गी व मैत्रेयी का उल्लेख किया था। ज्योतिबा फुले, गोपाल हरि देशमुख, जस्टिस रानाडे, केटी तेलंग, डीके कर्वे और अनेक संस्थाओं ने भी महिलाओं की दशा सुधारने के लिए आंदोलन चलाया। उनके प्रयासों से 1891 में लड़कियों के विवाह की आयु 10 वर्ष से बढ़ाकर 12 वर्ष की गई थी।

सभी कानून समाज की आवश्यकता के अनुरूप बदले जाते हैं और नए गढ़े भी जाते हैं। केंद्र सरकार का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान पूरे देश में लोकप्रिय है। क्या बेटियों को समुचित शिक्षा देने का अभियान किसी पुरानी किताब के आधार पर गलत सिद्ध किया जा सकता है। शादी की उम्र बढ़ाने से लड़कियों को ठीक से पढ़ने व जीवन संघर्षों की तैयारी करने का विशेष अवसर मिलेगा। भारत में अनेक सामाजिक सुधार आंदोलन लगातार चले हैं। यथास्थितिवादियों द्वारा उसमें अड़ंगा भी लगाया जाता रहा है। समाज सुधार का काम आसान नहीं होता। समाज सुधार के काम में समाज से ही टक्कर लेनी होती है। तीन तलाक संबंधी कानून का भी कट्टरपंथियों द्वारा जबरदस्त विरोध किया गया था, लेकिन सरकार ने उस मामले में अपनी इच्छाशक्ति का परिचय दिया। कानून सामाजिक आवश्यकता से ही बनाए जाते हैं। सामाजिक परिवर्तन के इच्छुक व्यक्ति और समूह अभियान चलाते हैं। सरकारें सामाजिक परिवर्तन की मांग के अनुसार विधायन करती हैं। न्यायपालिका भी प्रसंग के अनुसार इसमें हिस्सा लेती है। लड़कियों को सेना में प्रतिष्ठित करने का आदेश न्यायालय ने ही दिया था।

प्राचीन भारत में स्त्री और पुरुष राष्ट्र जीवन के सभी कार्यों में मिलकर काम करते थे। वैदिक काल में समाज गठन की मूल संस्था परिवार थी और परिवार गठन का मूल अधिष्ठान था विवाह। देवों को भी विवाहित बताया गया है। तब बाल विवाह नहीं थे। ऋग्वेद में विवाहित नववधू के लिए शुभकामना है कि 'वह अपने परिवार की साम्राज्ञी बने। पूरे परिवार की चिंता करे। सबको नियंत्रण में रखे।' इसके लिए कन्या की परिपक्व आयु आवश्यक थी। लोपामुद्रा नाम की ऋषिका मंत्र रचयिता हैं। वह पति ऋषि अगस्त्य को भी मार्गदर्शन देती है। महिलाएं सैन्य अभियानों में भी सक्रिय रही हैं। कैकेयी ने युद्ध अभियान में ही दशरथ की सहायता करके ही उनसे वरदान का अधिकार प्राप्त किया था। झांसी की रानी सहित अनेक महिलाएं भी युद्ध लड़ी थीं। भारत में महिला शक्ति आदरणीय रही है। बेटी को शिक्षित-प्रशिक्षित कर सौभाग्यशाली बनाना सामाजिक कर्तव्य है। यह काम समाज को करना चाहिए। विधायिका व न्यायपालिका को भी। ताजा कानून की घोषणा सरकार ने की है। कायदे से पूरे समाज को इसका दिल खोलकर स्वागत करना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। अस्पृश्यता निषेध कानून भी सामाजिक आवश्यकता का परिणाम था। गांधी, आंबेडकर, डा. हेडगेवार और लोहिया के अभियान भी उल्लेखनीय हैं।

शाहबानो मामले में न्यायालय का निर्णय स्वागतयोग्य था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में उसे पलट दिया। ध्यान रहे कि अब वैसी सरकार नहीं है। भारी विरोध के बावजूद सरकार तीन तलाक कानून से पीछे नहीं हटी। कट्टरपंथी प्रतिगामी शक्तियों के सामने घुटने टेकने की आवश्कता नहीं है। सामाजिक सुधार की दिशा में सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। समाज में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। संविधान निर्माता यह जानते थे। उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों में राष्ट्रजीवन की तमाम अभिलाषाएं जोड़ी हैं। अनुच्छेद 38 का शीर्षक महत्वपूर्ण है, 'कि राज्य लोककल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा।' यहां राज्य पर लोककल्याण की वृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाने का निर्देश है। अनुच्छेद-39 (क) में सभी पुरुष और स्त्रियों को समान रूप से जीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराने का निर्देश है। अनुच्छेद-44 अति महत्वपूर्ण है।

घबराई दीपिका

दीपिका पादुकोण अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. उन्होंने कहा कि मैं इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी घबराई हुई हूं, क्योंकि ये एक भारी-भरकम परियोजना है, जिसमें कई वीएफएक्स इफेक्ट हैं. फिल्म हिंदी के अलावा कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी बनेगी. एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने इससे पहले कभी प्रभास और नाग अश्विन के साथ काम नहीं किया है. हालांकि कैमरा रोल होते ही सब जाना पहचाना सा लगेगा. ये एक वीएफएक्स बेस्ड फिल्म है. मेरे लिए ये दुनिया और किरदार बिल्कुल नया है. मैं फिल्म को लेकर उत्साहित और नर्वस हूं. उत्साहित इसलिए हूं कि ये एक नई यात्रा है, जिसको हमने शुरू कर दिया है. नर्वस इसलिए हूं क्योंकि मैं सभी से अंजान हूं.' नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में तेलुगु स्टार प्रभास, सदी के महानायक अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं. वहीं फिल्म में अन्य कास्ट भी अहम किरदार निभा रहे हैं, जिनको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है.

अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी की अपकमिंग फिल्में 'गणपत', 'मिशन सिंड्रेला' होंगी. जैकी नई प्रतिभाओं को मौका देने में भी यकीन रखते हैं. वह कहते हैं कि किसी भी काम में आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि उसमें वक्त लगाया जाए.

नई प्रतिभाओं की खोज में जैकी

नई प्रतिभाओं को काम देने से पहले उन्हें ढूंढना या हम तक पहुंचना ज्यादा जरूरी है. उन्होंने कहा कि मेरे लिए डिस्कवरी यानी खोज सबसे ज्यादा मायने रखती है. प्रतिभा मायने रखती है, लेकिन अगर वह प्रतिभा मुझ तक पहुंचेगी ही नहीं, तो मैं कुछ नहीं कर सकता हूं. उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में लोग कहते हैं कि लक (किस्मत) मायने रखती है. सही वक्त पर सही जगह रहना पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि लक सिर्फ 20 प्रतिशत मायने रखती है. लक तभी सपोर्ट करेगी, जब आप खुद को सपोर्ट करेंगे. अपने क्राफ्ट पर काम करते रहने के लिए अपना वक्त लगाना होगा. आप भले ही एक्टर हों, निर्देशक हों, कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट से जुड़े हों, बिना काम में वक्त लगाए, कुछ नहीं होगा.

वक्त से लड़तीं तापसी

तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म लूप लपेटा का टीजर वीडियो शेयर किया है. इस एनिमेटेड टीजर वीडियो में एक्ट्रेस तापसी के किरदार को बीतते हुए समय के साथ लड़ते हुए दिखाया गया है. साथ ही फिल्म में उनके को-स्टार के चेहरे भी टाइमर मशीन में नजर आ रहे हैं. अभिनेत्री ने लिखा- वक्त रुक रहा है और ये समय दौड़ने का है. फिल्म लूप लपेटा साल 1998 में आई जर्मन फिल्म 'रन लोला रन' का आधिकारिक रीमेक है, जिसको टॉम टाइकर ने निर्देशित किया था. फिल्म में उनके किरदार का नाम साफी है.

लंबी चोटी वाली...

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की कुछ ताजा तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में प्रियंका एक लंबी चोटी बनाए नजर आ रही हैं.

इन तस्वीरों को साढ़े 5 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं. फैन पेजों पर इन तस्वीरों को जमकर शेयर किया जा रहा है.

कैटरीना-विक्की की तस्वीरों को देख बोले फैंस

फोटो मत डालो, दिल से बुरा लगता है

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल शादी के बाद फैंस के लिए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं. अब कैट ने अपनी शादी के फोटोशूट की तस्वीरों को शेयर किया है. इन तस्वीरों में वह पति विक्की के साथ रोमांटिक पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं. इस फोटोशूट में वह लाइट पिंक कलर की प्रिंटेड साड़ी में नजर आ रही हैं, जबकि विक्की ने क्रीम कलर की शेरवानी कैरी की हुई है. तस्वीर में दोनों ने गुलदस्ता भी लिया हुआ है. इन तस्वीरों में स्टार कपल रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं. कैटरीना ने लिखा- 'सम्मान करने और संजोने के लिए.' इन दोनों कलाकारों के फैंस तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'मैम प्लीज, ऐसे रोज-रोज फोटो मत डालो, दिल से बुरा लगता है बहुत.' दूसरे यूजर ने लिखा है, 'मैं फिर से कहता हूं कि विक्की बहुत लकी हैं.' तीसरे यूजर ने लिखा है, 'बस करो, इतनी अच्छी-अच्छी फोटो रोज दिखा रही हो, शादी करने का मन हो रहा है अब तो.'

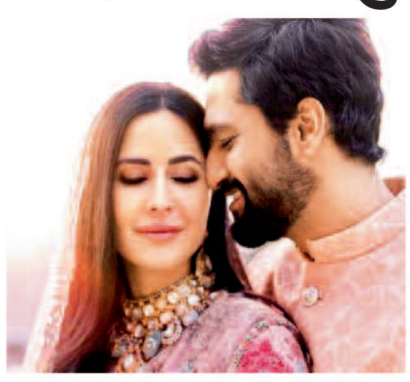

नोरा फतेही म्यूजिक वीडियो 'डांस मेरी रानी' में जलपरी के अवतार में हैं. इस ट्रैक को गुरु रंधावा और जहराह खान ने अपनी आवाज में गाया है. इस स्पेशल ऑउटफिट को USA में बनाया गया था और इसके काम को पूरा करने में 3 महीने से ज्यादा समय लगा है.

जलपरी नोरा

नोरा कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मरमेड बहुत रहस्यमयी होती हैं. जैसे ही मैंने उस ऑउटफिट को पहना, मुझे एहसास हुआ कि वो बेहद खूबसूरत दिखती हैं, लेकिन इसे संभालना बेहद मुश्किल था. मुझे कैमरे का सामना करते हुए सुंदर और ग्लैमरस दिखना था, लेकिन ये जिस तरह की ड्रेस है, उसके साथ शूट करना बेहद मुश्किल है. एक बार आउटफिट मरमेड पहनने के बाद, मेरे पास अपने आप चलने का कोई रास्ता नहीं था.' तनिष्क बागची द्वारा लिखे और कंपोज्ड किए गए इस ट्रैक को बॉस्को मार्टिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है.

बेहोश बंदर को देख रोने लगीं अनुष्का

अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वायरल वीडियो शेयर किया है. इसे देखकर वह काफी इमोशनल हो गईं. उन्होंने वीडियो क्लिप के साथ कई सारे रोने वाले इमोजी भी पोस्ट किए हैं. इस वीडियो में एक शख्स बंदर की जान बचाने के लिए उसे CPR देता दिख रहा है. किसी का दिल काम करना बंद कर दे या सांसें रुक जाएं तो इमरजेंसी में उसे हाथों से CPR और मुंह से सांस देते हैं. यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल है. अनुष्का ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें एक बंदर बेहोश सा लेटा दिख रहा है. एक शख्स पहले उसके सीने को हाथों से दबाता दिख रहा है. इसके बाद वह उसे मुंह से सांस देता है और जोर-जोर से सीने पर मारता है. इसके बाद बंदर की आंखें खुल जाती हैं और वह खुश होकर उस व्यक्ति को गले लगा लेता है. अनुष्का ने रोने वाले इमोजी के साथ इस वीडियो को शेयर किया है. बताया जा रहा है कि बंदर को कहीं से चोट लगी थी.

आँखों के एक्सप्रेशन से जीता दिल

रितिक रोशन ने अपने सोशल अकाउंट पर लेटेस्ट पोस्ट में जबरदस्त बॉडी दिखाई है, जिसमें वो शर्टलेस होकर अपनी टोन्ड बॉडी दिखाते हुए देखे जा सकते हैं. फोटो में उनका बियर्ड लुक उनके चाहने वालों को खूब पसंद आ रहा है. फैंस के साथ बॉलीवुड सितारे भी उनके लुक पर कॉमेंट कर रह रहे हैं. सामने आई फोटो में रितिक ने अपना कई लुक शेयर किया है, जिसमें वह अलग-अगल एंगल में पोज देते हुए दिख रहे हैं. हालांकि फोटो में उनकी पूरी बॉडी नहीं दिख रही है, फिर भी वह हैंडसम लग रहे हैं. क्लोजअप फोटो में वह कभी अपने बालों में हाथ डाले तो कभी आंखों के एक्सप्रेशन से सभी का दिल जीत रहे हैं. एक्टर शाहिद कपूर ने कमेंट करते हुए उन्हें 'हार्ड मुंडा' कहा है, तो वहीं एक्टर संजय कपूर ने उनके पोस्ट पर कुछ इमोजी शेयर कर उनके लुक को लाइक किया है.

TV मैजिक

कास्टिंग काउच की शिकार सुरवीन

टीवी एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने बताया कि जब वह साउथ फिल्मों में आने वाली थीं तो कैसे फिल्म के निर्देशक और प्रोड्यूसर ने उनसे उनके शरीर के अंगों की साइज को लेकर सवाल किया. हालांकि एक्ट्रेस ने कहा कि ये सही पैरामीटर नहीं हैं जो एक महिला को परिभाषित करते हैं. सुरवीन बताती हैं कि यह वाक्या तब का है जब वह टीवी से बॉलीवुड में जाने के लिए सफर कर रही थीं. पहली ही मीटिंग में उनके साथ ये हादसा हो गया. इस दौरान उनसे उनके वजन से लेकर कमर और छाती के आकार साइज को लेकर सवाल किया गया था. वह जल्द ही एक्टर आर माधवन के साथ सीरीज 'डीकपल्ड' में देखी जाएंगी. माधवन इसमें एक उपन्यास लेखक आर्य और सुरवीन उनकी पत्नी एवं सीईओ श्रुति के किरदार में नजर आएंगी.

'इंडियाज गॉट टैलेंट' को होस्ट करेंगे अर्जुन

इंडियाज गॉट टैलेंट को अर्जुन बिजलानी होस्ट करेंगे. वहीं इस शो में शिल्पा शेट्टी, रैपर बादशाह, किरण खेर और मनोज मुंतशिर जज के रूप में होंगे. अर्जुन पिछले दिनों 'खतरों के खिलाड़ी-11' शो में खतरनाक स्टंट करते हुए नजर आए थे. वह इश्क में मरजावां, मिले जब हम तुम, तथा परदेस में है मेरा दिल जैसे सीरियल में अहम भूमिका निभा चुके हैं.

ECIL ने निकाली टेक्निकल ऑफिसर के पदों पर भर्ती

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस डिवीजन (ईएमएसडी) समेत विभिन्न डिवीजन व साइट्स के लिए टेक्निकल ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकाली है. योग्य व इच्छुक उम्मीदवार ecil.co.in पर जाकर 21 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए कम से कम 60 फीसदी अंकों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग/ सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री जरूरी है.

आरआरसी

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) ने सेंट्रल रेलवे में स्पोर्ट्स कोटा के तहत कई पदों पर भर्ती निकाली है. योग्य उम्मीदवार आरआरसी सेंट्रल रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट rrccr.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. इस भर्ती के तहत लेवल 5/4 और 3/2 के कुल 21 पद भरे जाएंगे. आवेदन की अंतिम तिथि 27 दिसंबर 2021 है. योग्य आवेदकों की भर्ती ट्रायल बेसिस पर की जाएगी. ट्रायल 40 अंकों का होगा, जिसमें 25 अंक या इससे ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को अगले राउंड के लिए चुना जाएगा.

BECIL

नियुक्ति वार्ता

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (BECIL) ने कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर एनालिस्ट, सैंपल कलेक्टर, लैब अटेंडेंट, जूनियर टेक्निकल ऑफिसर और contigent ड्राइवर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं. जो योग्य उम्मीदवार इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें 23 दिसंबर 2021 को या उससे पहले अपना सीवी hr.bengaluru@becil.com पर मेल करना होगा.

NVS

नवोदय विद्यालय समिति (NVS) ने अकाउंट्स ऑफिसर व अन्य पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं. इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट navodaya.gov.in पर जाकर 30 दिसंबर 2021 तक आवेदन कर सकते हैं. एनवीएस के इस भर्ती अभियान में कुल 10 रिक्तियों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा. एनवीएस की इस भर्ती के तहत चयनित अभ्यर्थियों को एनवीएस के क्षेत्रीय कार्यालयों- नोएडा, भोपाल, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, पटना, पुणे और शिलांग में नियुक्ति दी जाएगी.

रियलमी जल्द रियलमी 9i फोन लांच कर सकती है. इसमें कंपनी ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप ऑफर करने वाली है. इसके अलावा फोन में 4880mAh की टिपिकल बैटरी मिलेगी जिसे फोन की मार्केटिंग में 5000mAh बताया जा सकता है.

रियलमी 9i फोन

रियलमी का यह अपकमिंग स्मार्टफोन ऐंड्रॉयड 11 पर बेस्ड Realme UI पर काम करता है. रियलमी 9i में कंपनी 90Hz के रिफ्रेश रेट के साथ 6.6 इंच का फुल एचडी+ पंच-होल डिस्प्ले ऑफर कर सकती है. फोटोग्राफी के लिए इस फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है. इसमें 50 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ एक 8 मेगापिक्सल का सेकंडरी लेंस और एक 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर शामिल हो सकता है. वहीं, सेल्फी के लिए इस फोन में कंपनी 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दे सकती है. फोन में प्रोसेसर के तौर पर स्नैपड्रैगन 680 चिपसेट दिया जा सकता है. फोन को कंपनी 8जीबी रैम और 128जीबी के इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश कर सकती है. फोन में 5000mAh की बैटरी मिलेगी जो 33 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी.

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर ≫ मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय

मैनपावर के लिए संविदा नियुक्ति के बनेंगे नियमः गहलोत

चारागाह भूमि पर बसे परिवार को मिलेगा 100 वर्गमीटर का पट्टा, नीति का अनुमोदन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में संविदा नियुक्ति के लिए नियम बनाने, चरागाह भूमि पर बसी सघन आबादी के नियमितिकरण के लिए नीति के प्रारूप के अनुमोदन सहित कई अन्य महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय किए गए। मंत्रिमंडल ने राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की क्रियान्विति के उद्देश्य से एक निश्चित अवधि के लिए रखे जाने वाले कार्मिकों की संविदा नियुक्ति के लिए राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल अपॉइंटमेंट टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2021 बनाये जाने का अनुमोदन किया है। केबिनेट के इस निर्णय से मैनपावर की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कार्मिकों को संविदा पर नियुक्त करने के नियम बनाये जाने का मार्ग प्रशस्त होगा। केबिनेट ने चारागाह भूमि पर बसी सघन आबादी के नियमितिकरण के लिए प्रस्तावित नीति के प्रारूप का अनुमोदन किया है। चारागाह भूमि का वर्गीकरण परिवर्तन व्यापक जनहित में ही अन्य राजकीय भूमि की अनुपलब्धता होने पर किया जाएगा। नीति के तहत चारागाह भूमि पर कम से कम 30 वर्ष से घर बनाकर रह रहे परिवारों में से प्रति परिवार अधिकतम 100 वर्गमीटर का पट्टा दिया जाएगा। आयकरदाता व्यक्ति को इसका लाभ नहीं दिया जाएगा। इस नीति से चारागाह भूमि पर बसे निर्धन परिवारों को पट्टा मिल सकेगा।

एटीपी की सीधी भर्ती में बी. प्लानिंग एवं एम. प्लानिंग की अर्हता शामिल

बैठक में राजस्थान नगर नियोजन सेवा नियम-1966 में संशोधन को मंजूरी दी गई। इससे सहायक नगर नियोजक की सीधी भर्ती के लिए आवश्यक अर्हता में बैचलर ऑफ प्लानिंग तथा मास्टर ऑफ प्लानिंग को सम्मिलित किया जा सकेगा। इस निर्णय से नगर नियोजन विभाग में टाउन प्लानिंग से संबंधित उच्च योग्यताए विशेषज्ञता एवं अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी उपलब्ध हो सकेंगे। जिससे आमजन के नगर नियोजन संबंधी कार्यों को सुगमता से संपादित किया जा सकेगा।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम- 2012 तथा राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2013 के तहत जारी अधिसूचना में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन को जोडने का निर्णय किया है। इससे राज्य के सभी विभागों एवं विकास प्राधिकरणों, यूआईटी, नगर निगम, नगर परिषदों, नगर पालिकाओं आदि को शौचालय निर्माण, रखरखाव एवं संचालन का कार्य समय एवं त्वरित रूप से किए जाने के लिए एक विकल्प उपलब्ध हो सकेगा।

राजस्थान फाइनेंशियल सर्विसेज डिलीवरी लिमिटेड का होगा गठन

बैठक में राजस्थान फ इनेंशियल सर्विसेज डिलीवरी लिमिटेड का गठन करने की मंजूरी दी गई। इस संस्था के गठन से राजकीय विभागों तथा स्वायत्तशासी संस्थाओं को लोक उपापन, अनुबंध प्रबंधन, कराधान, सेवा नियमों आदि क्षेत्रों में आवश्यक विशेषज्ञता, परामर्श एवं सहयोग मिल सकेगा। मंत्रिमंडल ने जालूपुरा स्थित विधायक आवासों की भूमि का स्वामित्व सामान्य प्रशासन विभाग से जयपुर विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने का अनुमोदन किया है। इससे विधायकों के लिए विधायक नगर पश्चिम में बहुमंजिला आवासों के निर्माण में सुगमता होगी। केबिनेट ने राजकीय महाविद्यालय बीदासर का नामकरण श्री सांवरलाल सुशीला देवी सुथार राजकीय महाविद्यालय बीदासर किए जाने को मंजूरी दी है। बैठक में भू-आवंटन नीति-2015 के प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करते हुए भरतपुर की श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर योजना में मीणा छात्रावास के लिए 17 बिस्वा भूमि निःशुल्क आवंटित करने का अनुमोदन भी किया गया।

1500 मेगावाट सोलर पार्क की स्थापना का मार्ग प्रशस्तः मंत्रिमंडल ने राज्य में 1500 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना के लिए राज्य सरकार तथा मैसर्स अदाणी रिन्यूबल एनर्जी पार्क राजस्थान लिमिटेड की हिस्सेदारी की ज्वॉइन्ट वेंचर कंपनी को जैसलमेर के भीमसर एवं माधोपुरा, सदरासर गांव में 1324.14 हैक्टेयर तथा बाटयाडू एवं नेडान गांव में 276.86 हैक्टेयर राजकीय भूमि सशर्त कीमत पर आवंटित करने की मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त करीब 30 मेगावाट विंड सोलर हाइब्रिड पावर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए केरालियां गांव में 64.38 हैक्टेयर राजकीय भूमि को लीज पर सशर्त कीमत रक आवंटित करने की मंजूरी दी गई। इससे सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में प्रदेश में इथेनॉल उत्पादन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान इथेनॉल प्रोडक्शन प्रमोशन पॉलिसी 2021 को मंजूरी दी गई। यह नीति स्थाई एवं वैकल्पिक ईंधन के रूप में इथेनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देगी।

इस नीति के तहत लगने वाली इथेनॉल उत्पादन इकाइयों को रिप्स.2019 के प्रावधानों के तहत इंसेंटिव देय होंगे। इससे राज्य के भूजल सुरक्षित क्षेत्रों, सेफ ब्लॉक्स में इथेनॉल प्लांट नियमानुसार स्थापित हो सकेंगे। जिससे औद्योगिकीकरण को बढावा मिलेगा। साथ ही किसानोंए उद्यमियों एवं कामगारों के लिए लाभ के अवसर उत्पन्न होंगे।

10वीं पास के लिए निकली बंपर भर्ती

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में टेक्नीशियन के 641 पद, 10 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन, 27 हजार सैलरी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नौकरी तलाश रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने क्षेत्रीय कार्यालयों में कुल 641 तकनीशियन के पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इनकी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी 10 जनवरी, 2022 को रात 11.55 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी को इसी समय अवधि तक ऑनलाइन शुल्क भी जमा करना होगा। वहीं 25 जनवरी से 5 फरवरी, 2022 के दौरान परीक्षा होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की और से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक तकनीशियन के पदों पर भर्ती के लिए शैक्षणिक पात्रता 10वीं पास है। तकनीशियन के पदों पर भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी। जिसमें उम्मीदवारों से बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें 21,700 रुपये वेतन के साथ भत्ते स्तर-3 अनुक्रमणिका-1(7वें सीपीसी) मिलेगा। इन पदों पर भर्ती के लिए आयु सीमा 10 जनवरी, 2022 तक 18 वर्ष से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे। इन चारों विषयों में से हर विषय में 25 अंकों के 25 सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा को देने के लिए कुल 90 मिनट का समय मिलेगा। हिंदी और अंग्रेजी में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

कितना होगा शुल्क ?

अनारक्षित वर्ग, ओबीसी-नॉन क्रीमी लेयर, ईडब्ल्यूएस से आवेदन शुल्क 300 रुपये और परीक्षा शुल्क 700 रुपये लिया जाएगा। वहीं, महिला, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को आवेदन शुल्क के तौर पर 300 रुपये देने होंगे। इन्हें कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पदों की संख्या

- तकनीशियन (टी -1) - 641
- जनरल-286
- एससी-93
- एसटी-68
- ओबीसी- 133
- ईडब्ल्यूएस-61

इसके लिए अभ्यर्थी सीधे इस लिंक https://www.iari.res.in/ पर जाकर भी इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नेट-थियेट पर हास्य नाटक शादी कैसे करें ने गुदगुदाया

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नेट-थियेट पर दुल्हन की नये तरीके से शादी करने की जिद ने दर्शकों को खूब लौटपोट करवाया। हास्य नाटक शादी कैसे करें का निर्देशन नीना कपिल ने किया तथा इस नाटक का लेखन जयपुर के वरिष्ठ रंगकर्मी स्वर्गीय मदन शर्मा द्वारा किया गया।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि आजकल की शादियों को नयापन देने की होड पर एक शानदार व्यंग्य है जिसमें नायिक रजनी अदभुत तरीके से शादी करने की जिद में नायक रमन को भी शामिल होना पडता है। एक पंडित अपनी ग्रहाकी बचाये रखनें के लिये पुरजोर कोशिश करतें है। अंत में घटना चक्र ऐसा घूमता है कि दुल्हा-दुल्हन, खुद बिचौलिये को भागना पडता है।

नाटक में पल्लवी कटारिया ने अपने दमदार अदायगी से नाटक को बांधे रखा व तुषार सिरसवा, सक्षम तिवाडी के अभिनय ने नाटक के पात्रों को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का संचालन ऋचा शुक्ला ने किया। नाटक में प्रकाश परिकल्पना मनोज स्वामी, लाइव कैमरा जितेन्द्र शर्मा मंच पार्श्व में अंकित शर्मा नोनू, अजय शर्मा, सौरभ कुमावत, विष्णु जांगिड व अंकित जांगिड का रहा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह आयोजित

विधि विद्यार्थी, महिलाओं और वंचितों के अधिकारों के बारे में जागरूकता लाने के लिए आगे आएंः राज्यपाल

सबसे पहले हम भारतीय, उसके बाद ही हमारी कोई अन्य पहचान

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि कि हम सबसे पहले भारतीय हैं। सबसे पहले हमारा संविधान है और उसके बाद हमारी कोई व्यक्तिगत पहचान है, यह बात हम सभी को याद रखनी चाहिए।

राज्यपाल मिश्र गुरुवार को यहॉ बिड़ला सभागार में डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सच्चे पोषक थे। उन्होंने देश की एकता और अखण्डता के साथ सदैव भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर जोर दिया। राज्यपाल ने बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में दिए डॉ. अम्बेडकर के उस वक्तव्य का उल्लेख भी किया जिसमें उन्होंने कहा था कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।

राज्यपाल ने कहा कि कानून की शिक्षा पूरी तरह से समाज से सीधे तौर पर जुड़ी शिक्षा है। उन्होंने विधि विद्यार्थियों का आह्वान किया कि समाज में मौजूद असमानताओं, लैंगिक भेदभाव, यौन अपराधों को दूर करने तथा महिलाओं और वंचितों के अधिकारों के बारे में जागरूकता लाने के लिए कार्य करें। मिश्र ने कहा कि संविधान ने हमें अधिकार दिए हैं तो मूलभूत कर्तव्य भी प्रदान किए हैं। उनके प्रति हम सभी को सजग रहने की जरूरत है। इसी दिशा में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क की स्थापना की पहल की है ताकि नई पीढ़ी संविधान की उदात्त दृष्टि और आदर्शों से जुड़ सके।

राज्यपाल ने कहा कि देश के आजादी आंदोलन में अधिवक्ता के रूप में राष्ट्रीय नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कानून की डिग्री धारक नेता स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में रहे थे, इसलिए विधि विश्वविद्यालय में आजादी आंदोलन से जुड़े अधिवक्ताओं के महत्वपूर्ण भाषणों का भी अध्ययन करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विधि पाठ्यक्रमों में राष्ट्र चेतना से जुड़े मुद्दों को भी जोड़ा जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. देव स्वरूप ने विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय को स्थायी कैम्पस के लिए जयपुर के निकट दहमीकलां में भूमि आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में अभी 80 विधि महाविद्यालय हैं, जिनमें प्रतिवर्ष 15 हजार छात्र-छात्राएं प्रवेश लेते हैं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति मिश्र ने दीक्षान्त समारोह में एलएलएम (एक वर्षीय) उत्तीर्ण करने वाले 38 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की तथा तीन छात्राओं दीक्षा गोयल, प्राची शर्मा एवं इशिता साबू को योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राज्यपाल ने इससे पहले उपस्थित जनों को संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्तव्यों का वाचन भी करवाया। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्दराम जायसवाल, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विधि विवि के प्रबंध मंडल एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण, शिक्षाविद, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अभ्युदय-2021 की सांस्कृतिक स्पर्धा सम्पन्न

जयपुर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के दो दिवसीय 15वें नेशनल एनुअल कार्यक्रम 'अभयुदय-2021: द यूथ राइज' के दूसरे दिन रंगारंग कार्यक्रम शहर के एक होटल में आयोजित किया गया। कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज ने बताया कि कार्यक्रम में अनेक कॉलेजों के स्टूडेंटस ने स्टेप अप- ग्रुप डांस व फैशन शो के जरिए अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। कार्यक्रम के मेहमान कार्तिकेय सोनी और मोना गौतम की मौजूदगी में बेस्ट परफॉर्मेंस के आधार पर विजेता टीमों का ऐलान कर उन्हें सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सेंट जेवियर्स कॉलेज विजेता और महारानी कॉलेज की टीम उपविजेता रही। फैशन शो (पनाचे) में साहिल हंसराजनी और रिया मारवालैंड के निर्णायक मंडल ने विजेताओं का ऐलान किया। इसमें मेजबान जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज उपविजेता रहा। इसके बाद सनबर्न फेस्टिवल हुआ जिसमें मिस्टर नवजोत आहूजा और डीजे तेरी MIKO थे।

तीन दिवसीय इस शोकेस व कॉन्क्लेव का समापन

इंडिया ट्रेवल मार्ट (आईटीएम), जयपुर को मिली जबरदस्त सफलता

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। इस वर्ष आयोजित किए गए बी2बी ट्रेवल एवं टूरिज्म शोकेस व कॉन्क्लेव- 'इंडिया ट्रेवल मार्ट (आईटीएम), जयपुर' को यात्रा व्यवसाय समुदाय और क्षेत्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। जयपुर के बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय इस शोकेस व कॉन्क्लेव का रविवार को समापन हुआ।

आईटीएम इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ), ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई), एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया (एडीटीओआई), आउटबाउंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ओटीओएआई), एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एटीओएआई), इंडिया गोल्फ टूरिज्म एसोसिएशन (आईजीटीए), महाराष्ट्र टूर ऑर्गनाइजर्स एसोसिएशन (एमटीओए), द आईएएआई एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएआई), ट्रेवल ट्रेड एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (टीटीएयूपी), एंटरप्राइजिंग ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन, (ईटीएए), ट्रेवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएएफआई), टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (टीओए), टूरिज्म लीडर्स क्लब (टीएलसी), इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सपर्ट्स (आईएटीटीई), इंडियन टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट्स एसोसिएशन (आईटीटीए), टूरिज्म यूनिटी क्लब (टीयूसी), राजस्थान टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (आरएटीओ) जैसे यात्रा व्यवसाय संगठनों और ट्रेवल मैग्जीन– ट्रेवल मेल द्वारा समर्थित है।

आईटीएम, जयपुर के तहत पर्यटन मंत्रालय (भारत पर्यटन), गुजरात पर्यटन, राजस्थान पर्यटन, मध्य प्रदेश पर्यटन, तमिलनाडु पर्यटन, जम्मू व कश्मीर पर्यटन, गोवा पर्यटन, पंजाब पर्यटन, हिमाचल प्रदेश पर्यटन, उत्तराखंड पर्यटन ने यात्रा व्यवसाय समुदायों और जयपुर से मीडिया के साथ इंटरेक्शन किया, जिसमें संबंधित राज्यों के पर्यटन की विशेषताओं के प्रजेंटेशन दिए गए। इन सैशन व प्रजेंटेशन में राज्य के पर्यटन अधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों के कम ज्ञात स्थलों, वन्यजीव पर्यटन, हेरिटेज पर्यटन, एडवेंचर व ईको टूरिज्म, धार्मिक और तीर्थ पर्यटन, समुद्री तटों, रुचिकर स्थानों, व्यंजनों, मेलों व त्योहारों, कस्टमाइज्ड पैकेजों, नवाचारों, ऑफबीट डेस्टिनेशंस, संबंधित राज्यों द्वारा किए जा रहे प्रचार और राज्यों की अन्य पर्यटन विशेषताओं के बारे में बताया।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

कलमप्रिया की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

गत बुधवार को कलम प्रिया लेखिका साहित्य संस्थान के द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन संस्थान की अध्यक्षा शशि सक्सेना के निवास पर किया गया, जिसका शुभारंभ शिवानी शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। उन्होंने वर्तमान साहित्य की स्थितियों पर आधारित अपनी रचना सुनाई। स्नेह प्रभा परनामी जी ने -यूं ही खुद से आज मिलने बैठी हूँ अंजना चड्ढा की ग़ज़ल पहले जैसी बात कहाँ है लोगों में सबको बहुत पसंद आई। शशि पाठक जी ने लॉकडाउन में किताबों को सखी के रूप में बताते हुए बहुत अच्छी रचना का वाचन किया। डॉ अंजु सक्सेना द्वारा प्रस्तुत पैरोडी - देखो नकली कवियों ऐसा काम ना करो बहुत ही प्रेरणास्पद और आज की परिस्थितियों पर टिप्पणी करने वाली रचना थी। मनीषा दुबे ने शब्द बनते हैं बिखरते हैं रचना सुनाई। अर्चना भटनागर जी ने अपनी रचना यह जरूरी तो नहीं ,कि हर ख़्वाब पूरा हो। सरस्वती उपाध्याय जी ने आज कल कुछ लिखती नहीं संस्थान अध्यक्षा शशि सक्सेना जी ने वृक्षों की पीड़ा को व्यक्त करते हुए रचना सुनाई हवा से भी डरने लगे हैं यह पेड़ शिवानी जी ने दूसरे राउंड में बिंदी पर अपनी क्षणिकाएं सुनाई जो बहुत ही रोचक एवं मनमोहक थी।डॉ.अंजु ने मैं ही बंधी बंधन में रचना द्वारा स्त्री की व्यथा को व्यक्त किया। कल्पना गोयल ने अपनी खूबसूरत रचना से सभी को आनंद विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान अजमेर की अर्चना भटनागर जी दुपट्टा पहनाकर हार्दिक स्वागत सभी सखियों ने मिलकर किया। सभी सखियों ने अपने कुछ अनुभव साझा किये। जल्दी ही फिर किसी काव्य गोष्ठी का आयोजन का प्रस्ताव भी रखा गया। लॉकडाउन के बाद कलमप्रिया लेखिका साहित्य संस्थान की यह पहली ऑफलाइन गोष्ठी थी । अध्यक्षा शशि सक्सेना ने सभी लेखिकाओं की रचनाओं पर विचार विमर्श किया श्रीमती सुषमा जी ने बहुत सुंदर समीक्षा करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

सुंदर पुष्प

लाल नीले बैंगनी सब, आज मन को भा गये।
पुष्प सुंदर लग रहे हैं, बाग में सब छा गये।।
देख के इस पुष्प को जी, राग मौरे गा रहे।
मंद सी मुस्कान लेकर, बाग में सब आ रहे।।
शीत बरसे मेघ से जब, मोतियाँ बन जा रही।
फूल से खुशबू निकल कर, बाग को महका रही।।
रंग इसका प्रेम का है, ईश को मोहित करे।
हाथ जिसके आय जब वो, प्रेम से मन को भरे।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
छत्तीसगढ़

बाँध सको तो बाँधो दुर्योधन

एक दुर्योधन फिर निकला है बांधने श्री कृष्ण अवतार ।
आगे बढ़ रहा अपने फौजों संग बांधने श्री कृष्ण अवतार ।।
हाँ दुर्योधन बांध मुझे लेकर आओ तुम अपनी फौज।
जंजीरों की लड़ी लगा दो खड़ी कर लो तुम अपनी फौज।।
दाव लगा दो अपनी शक्ति और लगा दो अपना दम।
हिम्मत हो तो आगे बढ़ लो प्रयोग कर लो अपना दम खम।।
खेल रहे तुम मानवता संग खेल रहे तुम प्रकृति संग।
बांध लिया तुमने नदी को अब खेल रहे हो मेरे संग।।
तेरे ही करनी से दुर्योधन मौज लूट रहे हैं वायस सृगाल ।
अपनी ही करनी से दुर्योधन तुम पहुँचोगे यम के द्वार।।
कौन समझाए तुमको फिर बांधने निकला है बड़ा पहाड़।
जग पालक को बोलो कैसे बांध पायेगा तेरा अहंकार।।
रोटी कपड़ा और सर पर छत बस इसकी तो ज़रूरत मात्र।
सुई नोक पर बात टिका कर क्यों आमंत्रित कर रहे अंत को आप।।
परम ज्ञान की अगर जरूत पुनः सुना सकता हूँ गीता ज्ञान।
अर्जुन संग तुम सब भी आना शुद्ध करना फिर आत्म ज्ञान।।

कमलेश झा
नगरपारा भागलपुर

भीगे बादाम और भीगे किशमिश साथ खाने के 7 फायदे

सुबह का नाश्ता सेहत के लिए बेहद खास होता है। जो आपको दिन भर एनर्जेटिक रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी वजह से प्रोटीन, मैग्नीशियम, मैग्नीज, तांबा, प्रोटीन और फाइबर जैसे तमाम तरह के पोषक तत्वों से भरपूर भीगे हुए बादाम और भीगी हुई किशमिश को नाश्ते में शामिल जरूर करना चाहिए।इनको नाश्ते में शामिल करने से सेहत को एक नहीं बल्कि शारीरिक रूप से कई तरह के फायदे मिलते हैं-

1. सुबह के नाश्ते में भीगे बादाम और भीगी किशमिश साथ में खाने से पीरियड क्रैम्प की दिक़्त से निजात मिलती है।
2. इनको खाने से पेट भी भरा हुआ सा महसूस होता है अतः अधिक वजन वालों के लिए बहुत फ़ायदेमंद साबित होते हैं।
3. सुबह-सुबह इनके सेवन से बॉडी में पूरे दिन एनर्जी रहती है।जिसकी वजह से किसी भी काम को करने में थकान महसूस नहीं होती।
4. नाश्ते में भीगे हुए बादाम और भीगी हुई किशमिश साथ में खाने से डाइजेशन भी बेहतर बना रहता है। जिसकी वजह से एसिडिटी की दिक़्त भी दूर होती है।
5. इनको नियमित खाने से दिमाग़ी सेहत दुरुस्त रहती है। जिसकी वजह से याददाश्त भी बेहतर बनती है।
6. भीगे हुए बादाम और किशमिश साथ में खाने से स्किन और बालों की सेहत में भी सुधार होता है। बादाम और किशमिश दोनों ही चीजें एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं।जो सेहत के साथ स्किन और बालों के लिए भी फायदेमंद होती हैं।
7. इनको रोजाना नाश्ते में शामिल करने से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखने में भी मदद मिलती है।

गिलोय की बेलः अमृत बेल

गिलोय न केवल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है, बल्कि यह त्वचा और बालों पर भी चमत्कारी रूप से असर करती है।

गिलोय में एंटी एजिंग गुण होते हैं, जिसकी मदद से चेहरे से काले धब्बे, मुंहासे, बारीक लकीरें और झुर्रियां दूर की जा सकती हैं। इसके सेवन से आप ऐसी निखरी और दमकती त्वचा पा सकते हैं, जिसकी कामना हर किसी को होती है। अगर आप इसे त्वचा पर लगाते हैं तो घाव बहुत जल्दी भरते हैं। त्वचा पर लगाने के लिए गिलोय की पत्तियों को पीस कर पेस्ट बनाएं। अब एक बरतन में थोड़ा सा नीम या अरंडी का तेल उबालें। गर्म तेल में पत्तियों का पेस्ट मिलाएं। ठंडा करके घाव पर लगाएं। इस पेस्ट को लगाने से त्वचा में कसावट भी आती है। अगर आप बालों में ड्रेंडफ, बाल झडने या सिर की त्वचा की अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं तो गिलोय के सेवन से आपकी ये समस्याएं भी दूर हो जाएंगी।

गिलोय का प्रयोग ऐसे करें

अब आपने गिलोय के फायदे जान लिए हैं, तो यह भी जानिए कि गिलोय को इस्तेमाल कैसे करना है-

गिलोय जूस

गिलोय की डंडियों को छील लें और इसमें पानी मिलाकर मिक्सी में अच्छी तरह पीस लें। छान कर सुबह-सुबह खाली पेट पीएं। अलग-अलग ब्रांड का गिलोय जूस भी बाजार में उपलब्ध है।

काढ़ा

चार इंच लंबी गिलोय की डंडी को छोटा-छोटा काट लें। इन्हें कूट कर एक कप पानी में उबाल लें। पानी आधा होने पर इसे छान कर पीएं। अधिक फायदे के लिए आप इसमें लौंग, अदरक, तुलसी भी डाल सकते हैं।

पाउडर

यूं तो गिलोय पाउडर बाजार में उपलब्ध है। आप इसे घर पर भी बना सकते हैं। इसके लिए गिलोय की डंडियों को धूप में अच्छी तरह से सुखा लें। सूख जाने पर मिक्सी में पीस कर पाउडर बनाकर रख लें।

गिलोय वटी

बाजार में गिलोय की गोलियां यानी टेबलेट्स भी आती हैं। अगर आपके घर पर या आस-पास ताजा गिलोय उपलब्ध नहीं है तो आप इनका सेवन करें।

साथ में अलग-अलग बीमारियों में आएगी काम

अरंडी यानी कैस्टर के तेल के साथ गिलोय मिलाकर लगाने से गाउट(जोड़ों का गठिया) की समस्या में आराम मिलता है।इसे अदरक के साथ मिला कर लेने से रूमेटाइड आर्थराइटिस की समस्या से लड़ा जा सकता है। खांड के साथ इसे लेने से त्वचा और लिवर संबंधी बीमारियां दूर होती हैं।आर्थराइटिस से आराम के लिए इसे घी के साथ इस्तेमाल करें।कब्ज होने पर गिलोय में गुड़ मिलाकर खाएं।

साइड इफेक्ट्स का रखें ध्यान

वैसे तो गिलोय को नियमित रूप से इस्तेमाल करने के कोई गंभीर दुष्परिणाम अभी तक सामने नहीं आए हैं लेकिन चूंकि यह खून में शर्करा की मात्रा कम करती है। इसलिए इस बात पर नजर रखें कि ब्लड शुगर जरूरत से ज्यादा कम न हो जाए।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को गिलोय के सेवन से बचना चाहिए। पांच साल से छोटे बच्चों को गिलोय न दें।

एक निवेदन :- अपने घर में बड़े गमले या आंगन में जंहा भी उचित स्थान हो गिलोय की बेल अवश्य लगायें यह बहु उपयोगी वनस्पति ही नही बल्कि आयुर्वेद का अमृत और ईश्वरीय वरदान है।।

चाँदनी रात

दूर कहीं ...पर्वतों के क्षितिज पर
ठिठका है चाँद
चाँदनी के लिए,
घोर अंधकार में;
छिटक रही चाँदनी नव कोंपलों पर
शनैःशनैः।
पथ की पगडंडियों पर
अंकित हैं,
पथिक के पदों के निशान
ढूंढ़ रही है चाँदनी
चाँद के पद निशान
कहीं अंकित मिलें,
प्रीतम के पांव चिन्ह
तारे विस्मित देख मुस्कुरा
रहे हैं ,शनैः शनैः।
जीव जंतर
मधुर गुंजनगान
अलाप रहें
शनैःशनैः।
एक पैर पर
उकड़ू बैठा मैं
देख रहा,चाँद को
देखते चकोर को
एक टक।
रात पर्वतों के क्षितिज
से उतर दरख़्तों के क्षितिज
पर अलसायी-सी
भोर के सौर में
पैरों में अरूणोदय का
महावर लगाये
चली जा रही है,
उस पार...
शनैः शनैः।

यू.एस.बरी, लश्कर,
ग्वालियर, म.प्र.

पापा की परी बेटियाँ

तेरे ही बाग की एक कली थी मैं
कोना कोना घर की चली हूँ मैं।
जहाँ भेज दिया खुशी से आपने
बस अब वहीं की हो गयी हूँ मैं।
खुशियां तो मुझे अपार मिली हैं
फिर भी घर न भूल पायी हूँ मैं।
माँ का डांटना और दुलारना
फिर गोद मे उठा प्यार करना
अपने हाथों से दूध रोटी खिलाना
सब याद है कहाँ भूल पाती मैं।
मुझे याद है घर की एक एक बात पापा
बिन बोले आप जिसे समझ लेते थे पापा
मेरी एक एक ज़िद मेरी एक एक बात,
अपना काम छोड़ पूरी कर देते थे पापा
स्कूल से कालेज तक की मेरी चाहत
का ख्याल रक्खा था आपने
जब जैसी इच्छा जताई
पूरी की थी आपने।
जिस घर भेज दिया मुझको
वहां बहुत प्यार मिला मुझको
छोटों से खूब आदर मिला
बड़ो से प्यार मिला मुझको
मान मिला सम्मान मिला
बड़ी बहू का स्थान मिला मुझको
बहुत सुखी हूँ बहुत खुश हूं
कमी नहीं है कुछ मुझको।
फिर भी जब उस घर की याद आती है
कुछ पल बहुत सताती है, लगता है
जब छोटी थी बहुत भली थी मैं
कैसी सुंदर नन्ही कली थी मैं
कोना कोना महकी थी मैं
जब एक नन्ही कली थी मैं।

आर. बी.नन्हें, भागलपुर(बिहार)

खाना-ख़ज़ाना

मूंग दाल पकौड़ी

सामग्री
1 कप मूंग दाल
(पीली या छिलके वाली हरी)
2 मध्यम आकार के प्याज़ बारीक कटे हुए
2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई
3 बड़े चम्मच हरा धनिया बारीक कटा हुआ
2 बड़े चम्मच तिल
1/4 छोटी चम्मच अजवायन
स्वादानुसार नमक
1/2 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1 छोटी चम्मच धनिया जीरा पाउडर
1/4 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर
आवश्यकतानुसार तलने के लिए तेल

तरीका: मूंग दाल को अच्छी से धो कर,4 से 5 घंटे तक पानी में भिगो कर रख दें। बाद में जीतना हो सके उतना कम पानी डालकर, मिक्सर ग्राइंडर की मदद से पिस लें। अब पिसी हुई मूंग दाल को एक बाउल में डालें। तलने के लिए तेल को छोड़ कर, बाकी सामग्री उसमें डालकर अच्छी तरह से मिला लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करने रख दे। तेल जब अच्छी तरह से गर्म हो जाए, तब बनाए हुए मिश्रण से पकोड़े बनाकर, अच्छी तरह से तल कर निकाल ले। गरमागरम मूंग दाल पकोड़े, इमली की चटनी, चाय या कॉफी, टमाटर का केचअप या कोई भी चटनी के साथ परोसे।

लघुकथा

अपात्र

बेटा! तुम्हारे पिताजी नहीं मानेंगे। समझने की कोशिश करो।

क्या कमी है दीपक में? पढ़ा- लिखा है। आज उसकी नौकरी अस्थाई है, कुछ ही दिनों के बाद स्थाई भी हो जायेगी।

बेटा! अपने हित कुटुंब के सामने तुम्हारे पिताजी की औकात पर आँच आयेगी। तुम तो जानती ही हो, उन्हें लोकलाज की बड़ी चिंता है। दीपक की हैसियत हमारे काबिल नहीं है।

हैसियत बड़ी चीज नहीं है, माँ!

देखो, अमित के पिताजी का समाज में रुतबा है। उनके दादाजी को पेंशन में ही पचास हजार रूपये महीने मिलते हैं।

और अमित क्या करता है? ग्रेजुएट भी नहीं है। उससे शादी कर लूँ ? माँ, मैं किसी अपात्र को अपना...?सीमा की आँखों में विद्रोह झलक उठा था।

-निर्मल कुमार डे, जमशेदपुर

कमज़ोरी नहीं होती चुप्पी

कमजोरी नहीं होती चुप्पी
वाद विवाद में नहीं पड़ते हैं हम
यह हमारे पूर्वजों के हैं संस्कार
फालतू की बात नहीं करते हैं
करते नहीं किसी का तिरस्कार
चुप रहने में होती है भलाई
यह बात कोई ही समझता है
चुप न हो जाये जब तक कोई
बाद विवाद तब बढ़ जाता है
चुप्पी को कमजोरी मत समझना
यह समझदारी की निशानी है
चुप्पी खड़े पानी का तालाब नहीं है
यह तो दरिया का बहता पानी है
पति पत्नि में जब होती है लड़ाई
एक दूसरे के मन को ठेस पहुंचाती है
उजड़ने से बचाने परिवार को
वहां चुप्पी ही तो काम आती है
अन्याय हो रहा हो जहाँ
वहां चुप्पी काम नहीं आएगी
बुलंद आवाज़ से होगा सामना
वहां चुप्पी कुचली जाएगी
चुप्पी सहमति भी होती है
चुप्पी विरोध भी होता है
चुप्पी शोला भी बनती है
चुप्पी विस्फोट भी होता है

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हि. प्र.

समीक्षा

रंगीली, बुलेट और वीर : समीर गांगुली

हाल ही में प्रकाशन विभाग द्वारा समीर गांगुली द्वारा लिखित एक बाल उपन्यास 'रंगीली,बुलेट और वीर' प्रकाशित किया गया है. यह लीक से हटकर विषय पर होने के कारण चर्चा का कारण बन रहा है। हिंदी के बाल-साहित्य में उत्कृष्ट बाल उपन्यासों की बेहद कमी है जिनका कथानक तथ्यात्मक जानकारी आधारित हो।

रंगीली, बुलेट और वीर समीर गांगुली द्वारा लिखा गया बाल उपन्यास है। जिसने ऊपर संकेतित कमी को भरने की दिशा में बहुत जिम्मेदारी के साथ मजबूत कदम बढ़ाया है। शब्दावली हो या वाक्य गठन अथवा संवाद, भाषा-शैली की पारदर्शिता इस कृति का विशेष गुण है। कहन और चित्रण शैली के कारण पठनीयता भी चमकदार है। उत्सुकता का छौंक शानदार है। 52 पृष्ठों के इस उपन्यास को 12 प्रभागों में विभाजित किया गया है। प्रमुख पात्र हैं बालक वीर, उसके देहरादून के पास बालीवाला गाँव में रह रहे लंबी घुमावदार सफेद मूंछों, छः फुट कद और कड़क रौबीली आवाज वाले रिटायर्ड ब्रिगेडियर अर्थात फौजी दद्दू, लेब्राडोर जाति का कुत्ता बुलेट और दुर्लभ जाति की लाल-नीले और सुनहरे रंग के पंखों और काली कलगी वाली, गौरैया से भी छोटी निराली पक्षी रंगीली।

वीर अपने फौजी दद्दू के गाँव आया है। गाँव बालीवाला बहुत ही सुंदर और हरियाली से भरा है। सड़कें, स्कूल, बिजली, पानी सब कुछ है यहाँ। दद्दू के पास पूरा घर है, खेत हैं, गौशाला है, गोबर गैस प्लांट और सोलर बिजली प्लांट हैं जिन्हें वीर को देखना है। दद्दू के पास कुत्ते हैं जिनसे दद्दू ने परिचय कराया। खासकर सबसे छोटे कुत्ते 'बुलेट' से वीर की दोस्ती हो गई। वीर ने अपने साथ लायी चीजें दूरबीन, कैमरा, टॉय गन दद्दू को दिखाए तो दद्दू ने शिकार पर जाने की सलाह दी लेकिन बुलेट के साथ।

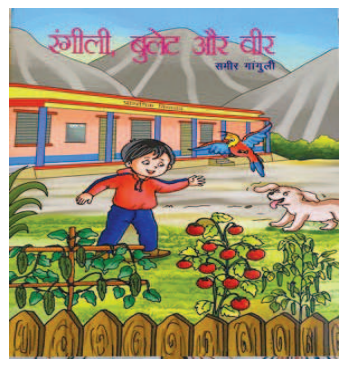

शिकार के दौरान बातूनी पेड़ का बहुत ही मजेदार वर्णन हुआ है। ध्वनि तरंगों के बारे में पेड़ जानकारी भी साझा करता है। आगे ड्रैगनफ्लाई यानी हेलिकॉप्टर टिड्डी से मुलाकात होती है जिसके बारे में रंगीली बहुत ही मजेदार संवाद-शैली में जानकारी जुटाने का काम करती है। ड्रैगनफ्लाई के चले जाने के बाद बुलेट को घर की याद आ जाती है और वह वीर के साथ वापस घर की ओर चल देता है रंगीली से कल फिर आने का वादा करके। रंगीली ने प्रकृति को अपना एक हिस्सा मानते हुए उसके के साथ तालमेल मिलाने की अच्छी सलाह दी ताकि पूरा आनंद आ सके। पाठकों को प्रकृति के आनंद के साथ उसकी बेहतरीन सहज समझ भी मिलती है। रंगीली दोनों दोस्तों को प्रकृति के और भी रहस्यों से मिलवाने का वादा करते हुए उन्हें घर लौटने की सलाह देती है। वे घर की ओर चल देते हैं। घर पर दादी गाँव के मेले की जानकारी देती है। वीर को अपने चाचा के साथ गाँव के मेले में जाने का अवसर मिलता है। छुट्टियाँ तेजी से ख़त्म हो रही थीं। वीर के महानगरीय दोस्त उसके लौटने की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वीर को सभी घटनाओं को संजोने के लिए डायरी लिखने की अच्छी सलाह दी। अब सबके घर लौटने का समय आ गया था। वीर का भी और रंगीली का भी। बुलेट दुखी था। वह भी साथ जाना चाहता था। जब उसने इच्छा जाहिर की तो बाकी कुत्ते, घोड़े, मुर्गे-मुर्गियाँ आदि सब जोर-जोर से हँसने लगे। वीर ने सोचा कि ये सफर याद रहेगा ज़िंदगी भर। उसने यह भी सोचा था कि मुंबई लौटकर इस बार स्कूल की मैगज़ीन में वह एक लेख लिखेगा।

संक्षेप में कहानी का कलेवर पेश करते हुए मैंने जानबूझकर बहुत सी बातें नहीं कहीं हैं। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि जो छोड़ा है उसे जानने के लिए उत्सुकता जरूर बढ़ी होगी। बड़ी बात यह है कि कथ्य और अभिव्यक्ति कौशल का इतना शानदार तालमेल हुआ है कि सम्पूर्ण आनंद के लिए कृति के बारे में जानना भर किसी रूप में काफी नहीं हो सकता, इस कृति को पढ़ना ही होगा।

समीक्षकः दिविक रमेश, नोएडा

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

05

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

जेकेके में गूंजी राजस्थान सरकार के कार्यकाल की तीन वर्षीय उपलब्धियाँ

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। राजस्थान सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी जवाहर कला केन्द्र में 18 दिसम्बर से चल रही है। चार दिवसीय इस प्रदर्शनी का आज अंतिम दिवस है। इस अवसर पर प्रदर्शनी के शुभारंभ दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा - सेवा ही कर्म सेवा ही धर्म, यही हमारी थीम है।

राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार अपने कार्यकाल की तीसरी वर्षगांठ मना रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सरकारी महकमों की उपलब्धियों की प्रदर्शनी जवाहर कला केंद्र में लगाई गई है। इस प्रदर्शन की उद्घाटन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया। इस दौरान सीएम गहलोत ने कहा कि कोरोना के चलते हमें काम करने का कम मौका मिला, लेकिन जो समय मिला उसमे कोई कमी नहीं रखी. तीन साल में जो काम किया, उसी तरह दो साल में काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी का संदेश '3 वर्ष, आपका विश्वास, हमारा प्रयास' है। सीएम ने कहा कि कोरोना के दौरान हमें काम करने का समय कम मिला लेकिन फिर भी शानदार तरीके से उपलब्धियाँ हासिल की है। उन्होंने कहा कि जनता का मूड हमें एक और मौका देने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जनता समझ चुकी है कि बार बार सरकार बदलने से तमाम योजनाएं रुक जाती हैं।

इस बार जनता का भी संकल्प है कि एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बने. मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदर्शनी देखते हुए कहा कि ऊपर

जेकेके में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत।

लिखा है -सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म- ये हमारी थीम है, ये आगे चलती रहेगी। लगाई गई प्रदर्शनी में सरकारी महकमों की उपलब्धियां प्रदर्शित की गई हैं. प्रदर्शनी में 21 स्टॉल्स अलग-अलग विभागों की लगाई गई हैं। मॉडल्स और साहित्य की ओर से कामकाज को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या आम जनता के साथ कॉलेज और स्कूल के स्टूडेंट भी पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी स्टॉल्स पर

राज्य स्तरीय राजस्थान सरकार की प्रदर्शनी में दिखा आमजन का उत्साह

जयपुर। राज्य सरकार के तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में जवाहर कला केन्द्र में चल रही प्रदर्शनी आपका विश्वास-हमारा प्रयास में रविवार को आमजन का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला। यहां चल रही प्रदर्शनी में विशेष तौर पर युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की स्टॉल पर राज्य सरकार के प्रकाशन सुजस, सरकार की उपलब्धियों पर जारी बुकलेट, सफलता की कहानी और सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर आधारित ब्रॉशर को लेकर विजिटर्स ने जबरदस्त रुचि दिखायी।

जाकर अवलोकन किया। इस दौरान गहलोत सरकार के कैबिनेट और राज्यमंत्री मौजूद रहे।

प्रदर्शनी में आए विजिटर्स ने बताया कि सरकारी योजनाओं से संबंधित सभी तरह का साहित्य एक ही जगह मिलने से स्टूडेंट्स और जो लोग शोध का काम कर रहे हैं उनके लिए यह काम न केवल आसान हो गया बल्कि प्रदर्शनी में जिस तरह से योजनाओं को विजुअलाइज किया गया है उससे इसे समझना भी आसान हो गया।

एक ही परिसर में सरकार की सभी योजनाओं के बारे में इतनी उपयोगी जानकारियां मिलना अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि वो बहुत खुश है कि छुट्टी के दिन वो यहां आये, और उनका आना पूरी तरह से सफल रहा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा थिएटर के रोमांच के अनुभव को शानदार बताया। प्रदर्शनी में सरकार की योजनाओं से संबंधित क्विज कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें हर घंटे विजिटर्स को इनाम जीतने का मौका मिल रहा है। अजमेर के सुरेन्द्र ने यहां चल रही क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और इनाम भी जीता। प्रदर्शनी में लोक कलाकारों द्वारा सरल और सहज तरीके से नुक्कड़ नाटक के जरिए सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है।

प्रदर्शनी में कृषि विभाग की स्टॉल पर किसानों से जैविक कृषि उत्पादों के बारे में भी लोगों ने रूचि दिखायी। परिवहन विभाग की स्टॉल पर सिमुलेटर में बैठकर ड्राइविंग टेस्ट का रोमांच भी लोगों ने अनुभव किया। वन विभाग की स्टॉल से 'घर-घर औषधि योजना' के औषधीय पौधों और इनके बारे में जारी साहित्य को लेकर विजिटर्स उत्साहित दिखे।

जम्बूरी स्काउट गाईड को अनुशासन सिखाने का सशक्त माध्यमः आर्य

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन स्काउट गाईड्स को अनुशासित जीवन के साथ-साथ सहभागिता, नेतृत्व के गुण सिखाने का सशक्त माध्यम है।

आर्य शुक्रवार को यहां शासन सचिवालय में राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन की तैयारियों एवं स्थान चयन के संबंध में आयोजित वर्चुअल बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्य सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की स्काउट गाईड की जम्बूरी का राजस्थान प्रदेश में आयोजित कराना मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की परिकल्पना है। राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन माह नवम्बर-दिसम्बर 2022 में किया जाना प्रस्तावित है। श्री आर्य ने कहा कि जम्बूरी का आयोजन पाली जिले के रोहट क्षेत्र में आयोजित किया जाना है। इस राष्ट्रीय जम्बूरी में लगभग 30 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने का अनुमान है। मुख्य सचिव ने जम्बूरी के लिए स्थान का चयन तथा पानी, बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में भूमि, पानी, बिजली से संबंधित विभागों तथा रीको के अधिकारियों सहित पाली जिले के जिला कलक्टर व अन्य संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल रहे।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

"राज्य की संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल 3 वर्ष पूर्ण होने पर मैं सभी को हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख–समृद्धि, स्वस्थ जीवन और चहुंमुखी विकास की कामना करता हूँ। आइए हम सब मिलकर राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं संकल्पबद्धता से अपने कदम बढ़ाएं और मन, वचन व कर्म से इसमें सहभागी बनकर अपनी भूमिका निभाएं।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

खुशहाल जनता, समृद्ध राजस्थान, 3 वर्षों में हर चेहरे पर मुस्कान

तीन वर्ष की उपलब्धि, सुशासन विकास और समृद्धि

• **बेहतरीन कोरोना प्रबंधन**
राजस्थान मॉडल स्टेट। दुनियाभर में सराहना। निकटवर्ती राज्यों के लोगों का भी किया मुफ्त इलाज

• **कोरोना में 'कोई भूखा ना सोए' का संकल्प**
32 लाख निराश्रित परिवारों को दी गई, प्रति परिवार 5500 रुपए की सहायता

• **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना**
प्रत्येक परिवार को मिल रहा है 5 लाख रुपए का निःशुल्क इलाज

• जन घोषणा पत्र को किया नीतिगत दस्तावेज घोषित 70 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे

• अब तक 21 लाख किसानों का लगभग 15000 करोड़ रुपए का ऋण माफ

• 5 वर्ष तक किसानों के लिए बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं

• **मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना**
प्रतिमाह 1000 रुपए बिजली बिल अनुदान। छोटे किसानों का बिजली बिल हुआ लगभग शून्य,
अब तक 18000 करोड़ रुपए का अनुदान जारी

• एक लाख बेरोजगारों को मिली सरकारी नौकरी, एक लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन, शीघ्र ही होगी नियुक्ति

• राज्य के 33 जिलों में से 30 में खुल रहे हैं मेडिकल कॉलेज

• **इंदिरा महिला शक्ति योजना**
महिला सशक्तिकरण के लिए 1000 करोड़ रुपए की निधि

उड़ान योजना

• समस्त किशोरियों और महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण

• **महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल**
अब तक 87293 विद्यार्थी नामांकित, 5000 से ज्यादा आबादी वाले
हर गांव और कस्बे में खोले जा रहे 1200 विद्यालय

अधिक जानकारी के लिए जनकल्याण पोर्टल **www.jankalyan.rajasthan.gov.in** देखें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर के न्यूरोलॉजिस्ट, श्रीमाधोपुर में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं का विस्तार करेंगे

कार्यालय संवाददाता

सीकर। देश भर के लोगों को उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयास में, जयपुर स्थित मणिपाल हॉस्पिटल के शीर्ष डॉक्टर न्यूरोलॉजिकल बिमारी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए एक विशेष ओपीडी के लिए श्रीमाधोपुर शहर का दौरा करेंगे। श्रीमाधोपुर के डॉ. माधव सिंह हॉस्पिटल के सहयोग से डॉ. श्रवण चौधरी 18 दिसंबर, शनिवार को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 3 बजे तक ओपीडी में उपलब्ध रहेंगे।

श्रीमाधोपुर में नियमित ओपीडी के साथ, शहर और आस-पास के निवासियों को गंभीर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए सर्वोत्तम श्रेणी का इलाज मिलने की उम्मीद है। मणिपाल हॉस्पिटल्स जयपुर अपने मरीजों को मल्टी स्पेशलिटी में बेजोड़ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है और डॉक्टरों की अत्यधिक अनुभवी टीम के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है।

भारत सीमित संसाधनों के साथ विकासशील देशों में से एक है जो वैश्विक आबादी का लगभग 18 प्रतिशत को इलाज प्रदान करता है। भारत में, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, दोनों घातक और गैर-घातक, गैर-संचारी और संचारी रोगों के प्राथमिक कारणों में से एक हैं। उच्च रक्तचाप, वायु प्रदूषण, आहार संबंधी खतरे, हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज, और एक हाई बॉडी मास इंडेक्स, न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के बोझ में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

डॉ. श्रवण चौधरी, कंसलटेंट- न्यूरोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा, 'न्यूरोलॉजिकल रोग और मानसिक विकार प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बन गए हैं और विश्व स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के लिए बड़ी चुनौतियों के रूप में उभर रहे हैं। भारत की जनसंख्या, विशेष रूप से, एक महामारी और जनसांख्यिकीय ट्रांजीशन के दौर से गुजर रही है, जिसके कारण मस्तिष्क और दिमाग सहित नॉन-कम्युनिकेबल रोगों का बोझ बढ़ गया है। यह बढ़ती लंबी उम्र और बदलती जीवन शैली के लिए भी जिम्मेदार है।'

लेदर स्कर्ट से फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लेदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा. शायद एक पल के लिए पार्टी में लेदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोचकर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है. लेदर स्कर्ट, जो रैम्प और रेड कारपेट पर छाई रहती है, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेगी.

जब करनी हो पार्टी

स्टेटमेंट एक्सेसरीज के साथ फ्राइडे नाइट है और ऑफिस से सीधे क्लब में पार्टी के लिए जाना है तो इसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है एक ब्लैक या व्हाइट टैंक टॉप के साथ में लेदर स्कर्ट. लुक को कंप्लीट करने के लिए आकर्षक स्टेटमेंट ईयररिंग्स या चंकी कफ पहनिए. आप चाहे तो थोड़ा फेमेनाइन सा क्रॉप टॉप भी पहन सकते हैं. इस टॉप के साथ अपवेस्ट लेदर शॉर्ट स्कर्ट सुंदर लगेगी. जब बात टॉप के साथ एक्सपेरिमेंट करने की हो तो खुद को किसी सीमा में न बांधिए. एक स्लीक लेदर स्कर्ट आपको क्लास देने के लिए काफी है.

FASHION जोन

लूज टी-शर्ट के साथ

दोस्तों के साथ शॉपिंग पर जा रही हैं या फिर अपने पति के साथ किसी कैजुअल लंच पर, लेदर स्कर्ट इसके लिए भी एक अच्छा ऑप्शन है. इसे आप लूज टी-शर्ट और स्वेट्स के साथ पेयर करिए. किसी ओकेजन के लिए एक आरामदायक आउटफिट की तलाश में हैं तो स्कर्ट ज्यादा टाइट फिटिंग में न पहनें. इसकी जगह कोई लूज फिटिंग स्कर्ट पहनिए.

शर्ट में कुछ नयापन

ऑफिस के लिए लेट हो गई हों, और एक ऐसा आउटफिट ढूंढ़ रहीं हों जिसे आसानी से पहन के तैयार हो सकें तो ऐसी परिस्थिति के लिए लेदर स्कर्ट से बेहतर कोई विकल्प नहीं है. इसे एक स्लिम-फिट व्हाइट शर्ट, ब्लैक जैकेट के साथ पहनकर पलभर में तैयार हो सकती हैं. इसमें शर्ट के कलर्स के साथ प्रयोग कर सकती हैं लेकिन इन्हें सिंपल ही रखिए या फिर छोटे प्रिंट्स ट्राय कर सकती हैं. लुक को पूरा करने के लिए लेदर स्कर्ट के साथ फॉर्मल हील्स पहनिए, कोई स्ट्रैपी सैंडल्स नहीं. हाथ में थोड़ा शाइनी क्लच पर्स या स्लिंग-स्टाइल पर्स भी पकड़ सकती हैं आप.

बोल्ड कलर के साथ प्रयोग

आप एडवेंचर्स किस्म की हैं तो आप कलर के साथ थोड़ा प्रयोग कर सकती हैं. जरूरी नहीं कि लेदर स्कर्ट ब्लैक कलर में उपलब्ध हो. मार्केट में रेड, बेज, ग्रीन जैसे कई शेड्स में लेदर स्कर्ट्स मिलती हैं. पर्सनैलिटी के हिसाब से इन्हें चुनिए. एक बात का ध्यान रखें कि अगर आपकी स्कर्ट और टॉप के कलर्स मैच नहीं हो रहे हैं तो पूरा लुक बिगड़ भी

ट्रैडिशनल ज्वैलरी का फैशन

आजकल वेस्टर्न कपड़ों के साथ पारंपरिक ज्वेलरी पहनने का ट्रेंड चल रहा है. इस तरह की ज्वेलरी न सिर्फ आपको बढ़िया फ्यूजन लुक देती है, बल्कि फैशनेबल दिखाने के साथ ही साथ ट्रेंडी लुक भी देती है. सफेद या कलर्ड ड्रेस के साथ विभिन्न रंगों के भारतीय रत्न खूब जंचते हैं. यह बेहतरीन संयोजन आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाकर आपको परियों जैसा लुक देते हैं.

पतली पायल

शॉर्ट जीन्स या रिप्ड जीन्स के साथ पतली पायल पहनें. यह संयोजन अच्छा दिखने के साथ ही लड़कियों को कूल लुक भी देता है.

SMART जोन

मोती जड़े हार

मोती जड़े और सोने के लंबे कई लेयर वाले हार आप ब्लैक ड्रेस या डार्क कलर की गाउन के साथ पहन सकते हैं. इससे आपको शाही लुक मिलेगा.

झुमकी या लटकन

वेस्टर्न (पश्चिमी शैली वाले परिधान) कपड़ों के साथ छोटी झुमकी या छोटे कान के लटकन बहुत जंचते हैं. जैसे टक्सीडो जंपसूट के साथ छोटी झुमकी आपको एक अलग लुक देगी.

एंटीक डिजाइन वाले नोज पिन

लड़कियों के बीच नोज पिन आजकल खूब लोकप्रिय है. वेस्टर्न कपड़े के साथ यह एक अनूठा संयोजन होगा. पतले या एंटीक डिजाइन वाले नोज पिन को जीन्स या कैजुअल टी-शर्ट के साथ पहनना बेहतर विकल्प रहेगा.

चोकर

ट्रैडिशनल चोकर को वेस्टर्न कपड़े के साथ पहनें, खास कर हीरे जड़े चोकर को डीप नेक या ऑफ शोल्डर काले रंग की ड्रेस के साथ पहनें.

HAIR केयर

चेहरा देखकर चुनें हेयरस्टाइल

किसी सेलेब्रिटी ने कैसे कपड़े पहने हैं या उसका हेयरस्टाइल कैसा है, इसे ही उनके फैंस फॉलो करने लग जाते हैं. कपड़ों को लेकर फैशन फॉलो करना तो सही है लेकिन हेयरस्टाइल को लेकर एक्सपेरिमेंट करते वक्त थोड़ा ध्यान रखना होता है. सेलिब्रिटी से रिलेटेड किसी नई हेयरस्टाइल को चुनने से पहले उनके चेहरे के अनुसार फबने वाले हेयरस्टाइल के बारे में जान लेना जरूरी है.

ओवल फेस पर हैवी लेयर्स

गोल चेहरे पर छोटी लेयर्स चेहरे को लंबा दिखाएंगे. और अगर बाल छोटे हैं तो उन्हें सॉफ्ट कर्ल रखें, खूबसूरती उभर कर आएगी. ओवल फेस हो तो बालों में वॉल्यूम दिखना जरूरी है. ऐसे फेसकट पर हैवी लेयर्स बहुत ज्यादा अच्छे लगते हैं. चौकोर फेसकट हो तो फेदर लेयर्स सूट करता है. बालों की लेयर्स को चेहरे पर आगे की ओर रखना बिल्कुल अलग सा लुक देता है. हार्ट फेसकट हो तो शॉर्ट क्रॉप्स हेयर रखें. लंबे बाल हों तो लेयर्स के साथ कई सारे एक्सपेरिमेंट हो सकते हैं.

सेंटर-पार्टेड हेयर स्टाइल

- सेलिब्रिटी से लेकर कॉलेज और ऑफिस गर्ल अपने हेयरस्टाइल में काफी सारे एक्सपेरिमेंट्स करती रहती हैं. जिनमें से सेंटर-पार्टेड हेयर-डू उनका पसंदीदा और ईजी हेयरस्टाइल है. बालों को बीच से दो भागों में बांटकर स्टाइलिश हेयरस्टाइल किए जा सकते हैं, जो उनके लुक को नया अंदाज देने के साथ ही प्रोफेशनल लुक भी देंगे. दोनों तरफ बालों को बराबर हिस्सों में बांटकर कई सारे स्टाइल किए जा सकते हैं. साइड फ्रेंच के अलावा चोटी का भी ट्रेंड फिर से शुरू हुआ है.

मौसम के अनुरूप सजाएं घर

INTERIOR जोन

विंटर सीजन शुरू है. ठंड जब ज्यादा बढ़ जाती है तो काम करने का मन नहीं होता. ऐसे में आप अपने घर को नया लुक देकर टाइमपास करने के साथ ही घर को खूबसूरत बना सकती हैं. सभी की ख्वाहिश होती है कि हमारा घर दूसरों से अलग दिखे. इसके लिए आपको दूसरों से कुछ अलग करना होगा. कुछ अलग करने के लिए अलग सोचना होगा. ठंड के मौसम में अपने घर या ऑफिस को सजाने से पहले यह पता लगाएं कि इस साल कौन-कौन सी नई सजावटी चीजें आई हैं. साथ ही, यह भी देखें कि आपके घर और ऑफिस के लिहाज से क्या बेहतर होगा.

बढ़ेगी खूबसूरती

घर को सजाने में बरामदे को न भूलें. अगर आप घर की सजावट को लेकर गंभीर हैं तो आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी. ठंड में आप जिस तरह से अपने रूम को सजाते हैं, वैसे ही अपने बरामदे को भी सजाएं. यह आपके घर की खूबसूरती में इजाफा कर देगा. अगर वहां धूप आती है तो उसमें बैठना तभी अच्छा लगेगा जब वह ढंग से सजा हो. बहुत ज्यादा ठंड पड़ने पर वार्डरोब से लेकर खानपान सबकुछ बदल जाता है. ऐसे में आप विंटर डेकोरेशन के कुछ टिप्स अपनाकर अपने घर को हॉट रखने के साथ नया लुक दे सकते हैं. ठंड से बचने के लिए नैचुरल तरीके से कमरे को गरम रख सकते हैं.

डार्क शेड देंगे वॉर्म फीलिंग

घर में छत ही ऐसा हिस्सा होता है जो सबसे पहले ठंडा होता है. इसलिए इसे गरम करने के उपाय के साथ इसका खूबसूरत होना भी जरूरी है. इसके लिए सीलिंग बनाते वक्त अगर थर्माकोल लगा दिया जाए तो यह ठंड में फायदेमंद होता है. इन दिनों पर्पल कलर की काफी डिमांड है. यदि आप चाहें तो लाइट और डार्क कलर का कंबिनेशन भी दीवारों पर ट्राय कर सकती हैं. वॉल को ब्राइट कलर, जैसे कि ऑरेंज, रेड व ब्लू कलर्स से सजाएं. यह भी काफी अच्छा लुक देगा. दीवारों पर वॉलपेपर भी इस्तेमाल किया जा सकता है. डार्क शेड के वॉलपेपर दीवारों पर लगाए जा सकते हैं. यह भी गरमी का एहसास दिलाएगा.

खुशबूदार मोमबत्ती से माहौल को बना दें हॉट

ठंड बहुत ज्यादा पड़ने पर आप हीटर का तो इस्तेमाल करती ही हैं, लेकिन चाहें तो आप आगे के लिए ढेर सारी लकड़ियां जमा कर लें. घर को नेचुरल तरीके से गरम करने का यह आसान तरीका है. कैंडल्स की गरमाहट सर्दी की शाम को अपनी मद्धिम रोशनी से गरम और खूबसूरत बना देती है. कमरे में सेंटर टेबल, डाइनिंग टेबल या साइड टेबल पर खुशबूदार मोमबत्ती जलाएं और गरमाहट का एहसास पाएं.

खिड़कियों पर लगाएं भारी पर्दे

ठंड के मौसम में खिड़कियों से हलके परदे उतार कर भारी परदे लगाएं. इनसे हवा कम घुसती है और कमरे में गरमी बनी रहती है. सर्दी के दिनों में कुशन और तकिए आदि के ऊनी कवर इस्तेमाल करें. बेड पर भी ऊनी कंबल या शीट बिछा लें. इससे आपको लेटते-बैठते समय सर्दी का एहसास नहीं होगा और गरमी मिलेगी. ठंड के दिनों में बिस्तर पर मोटा गद्दा बिछाएं, ऊनी कंबल बिछाएं और उस पर चादर डालें. इससे बिस्तर गुदगुदा होगा और सर्दी भी नहीं लगेगी. खाने के दौरान सबसे ज्यादा ठंड लगती है, इसलिए अपनी डाइनिंग टेबल को मोटे कवर से ढकें और उसे चेंज लुक दें जो गरमी का एहसास करवाता है. आप टेबल पर कैंडल को जलाएं, चाहे बल्ब जल ही क्यों न रहा हो.

स्ट्रक्चरल एलिमेंट का इस्तेमाल

ठंड में आप अपने गार्डन को उतना ही खूबसूरत बना सकते हैं, जितना कि यह गरमी के वक्त में रहता है. इसके लिए आप इसमें कुछ स्ट्रक्चरल एलिमेंट्स लगा सकते हैं. कुछ रंगों का इस्तेमाल करके आप अपने गार्डन को खूबसूरत व कलरफुल बना सकते हैं. ठंड के समय आपका गार्डन मौसम की तरह ही खास होना चाहिए. थोड़ा सा ध्यान देकर इसे और खूबसूरत बना सकते हैं.

सही बैंक चुनें

MONEY मैटर

जब बात बैंक का चुनाव करने की हो तो हममें से कुछ ही लोग हैं, जो अपना अकाउंट खोलने से पहले सभी दस्तावेजों को अच्छी तरह पढ़ते हैं. आपको ऐसी कोई समस्या न हो, इसलिए कुछ बातें हैं जिस पर किसी भी बैंक में अकाउंट खोलने से पहले एक बार जरूर गौर करें.

घर या ऑफिस से हो नजदीक

हो सकता है आपको यह बड़ी बात न लगे, लेकिन अकाउंट खुलवाने के लिए बैंक के चयन में उसका करीब होना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, ताकि आप जब जल्दी में हों तो आसानी से काम पूरा हो सके. इसी वजह से ज्यादातर बैंकों की ढेरों शाखाएं होती हैं. ऑफिस के पास बैंक का होना भी मददगार साबित हो सकता है. कई लोग बड़े लेनदेन के लिए खुद बैंक जाना पसंद करते हैं.

समय हो अनुकूल

कुछ बैंक शाम 5 बजे तक काम करते हैं, वहीं कुछ दोपहर 2.30 बजे बंद हो जाते हैं. क्या जल्दी बंद होनेवाले बैंक का समय आपके लिए सही होगा या फिर ऐसा बैंक जहां जाने के लिए आपको छुट्टी लेने की जरूरत न पड़े? इन बातों पर अवश्य गौर करना चाहिए.

जानें रिजर्व बैंक की राय

यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी रिसर्च अच्छी तरह करें. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर प्रत्येक बैंक के परफार्मेंस से जुड़ा विवरण दिया होता है. हर बैंक को आरबीआई के पास सालाना रिपोर्ट फाइल करनी पड़ती है. जिसमें उन्हें उनकी कमाई,

लाभ, शेयरहोल्डर्स को दिए गए डिविडेंड्स, बैंक के लोकपाल के अंतर्गत लंबित मामलों, गड़बड़ियों के लिए भरे गए दंड और अन्य चीजों की जानकारी रिजर्व बैंक को देनी होती है. इससे इस बात का अच्छा अंदाजा हो जाता है कि उन बैंकों में आपका पैसा कितना सुरक्षित है.

निजी या सार्वजनिक

आंख मूंदकर बस यह सोचकर कि यह सबसे सुरक्षित विकल्प होगा या चूंकि आपके माता-पिता के इसमें अकाउंट्स हैं, इसलिए राष्ट्रीय बैंकों को न चुनें. कई राष्ट्रीय बैंकों का एनपीए (नॉन परफार्मिंग एसेट्स) निजी बैंकों के मुकाबले ज्यादा होता है क्योंकि उन पर राजनीतिक पार्टियों या सरकार का उन उद्योगपतियों को कर्ज देने का दबाव होता है, जो बड़े पैमाने पर कर्ज लौटा नहीं पाते हैं. उन्हें ऐसे क्षेत्रों में निवेश करने के लिए बाध्य किया जाता है, जहां उन्हें काफी नुकसान झेलना पड़ता है. वहीं दूसरी ओर निजी बैंकों को इस प्रकार की किसी भी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता है. यह फैसला वे करते हैं कि उन्हें पूंजी निवेश कहां करना है. यह जानने के लिए कि बैंक की वित्तीय स्थिति कैसी है, इन सभी मुद्दों पर भी विचार करें.

उनकी वेबसाइट चेक करें

विभिन्न बैंक की वेबसाइट्स पर नजर डालें और परखें कि कौन-सा बैंक आपके लिए उपयुक्त होगा. यदि आप तकनीक पसंद हैं तो आपको किसी भी बैंक की इंटरनेट बैंकिंग की सुविधाओं को ध्यान में रखना चाहिए. क्या आप बैंक की वेबसाइट के इंटरफेस में सहज महसूस करते हैं? क्या यह वह सुविधाएं देता है, जिनकी आपको तलाश है?

अच्छा मुनाफा देखें

सेविंग अकाउंट्स, फिक्स्ड डिपोजिट्स और अन्य निवेशों पर मिलने वाले ब्याज की दर अलग-अलग बैंक की अलग-अलग होती है. विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करें और अपने लिए सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें. कुछ बैंक महिलाओं को ज्यादा ब्याज दर देते हैं, इसलिए इस बारे में जरूर पूछें.

PARENTING जोन

बच्चों में शुरू से ही पढ़ने की आदत डालने के लिए जरूरी है कि उन्हें अनुशासन सिखाया जाए. इसके लिए आपको भी अनुशासित होना होगा. बच्चा जो भी पढ़े, उससे संबंधित प्रश्न पूछें. इससे वह अधिक ध्यान से पढ़ेगा और उसकी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

बच्चों को बनाएं बुक लवर

नन्हे-मुन्नों को पढ़कर सुनाएं

अपने नन्हे-मुन्ने का अपने जीवन में स्वागत करने के कुछ वर्षों बाद ही आप उसे कहानी पढ़कर सुनाने की प्रक्रिया आरंभ कर दें. इस से न केवल आपका अपने बच्चे से बंधन मजबूत होगा, बल्कि स्वाभाविक तौर पर उसे पुस्तकों से प्यार होने लगेगा. उम्र के छोटे पड़ाव से ही बच्चों में पढ़ने की अच्छी आदत विकसित होती है. प्रयास करें कि प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट आप अपने बच्चों के साथ मिलकर बैठें और पढ़ें. पुस्तकों में कोई रोक न रखें. जो आपके बच्चे को पसंद आए, उसे वह पढ़ने दें.

पढ़ने के साथ समझना भी जरूरी

बच्चा तेजी के साथ किताब पढ़ पाए, यह हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि जो कुछ वह पढ़ रहा है, उसे समझ भी सके. इसके लिए आपको बीच-बीच में कहानी से संबंधित प्रश्न करना चाहिए. इससे बच्चा न केवल पढ़ता जाएगा, बल्कि उसे समझने की कोशिश भी करेगा. आप ऐसे प्रश्न पूछें, जैसे अब आगे क्या होना चाहिए, क्या फलां चरित्र ठीक कर रहा है, यदि तुम इसकी जगह होते तो क्या करते? ऐसे प्रश्नों से आपका बच्चा कहानी में पूरी तरह भागीदार बन सकेगा तथा उसकी अपनी कल्पनाशक्ति भी विकसित होगी.

भिन्न प्रकार की पुस्तकों को बनाएं मित्र

जब आपका बच्चा पढ़ने लगे, तब आप उसे भिन्न प्रकार की पुस्तकें पढ़ने को दें, जैसे अक्षर ज्ञान वाली पुस्तकें, बाल कहानियां, कविताओं की पुस्तकें आदि. साथ ही, वह एक प्रकार की कहानियों को दूसरी से अलग करने में अपने दिमाग में विचारों को बनाना व संभालना सीखेगा.

बदलते मौसम में बचें रोगों से

सर्दी के मौसम में संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा होता है. यही कारण है कि हम इन दिनों में सर्दी-खांसी और एसिडिटी जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं.

HEALTH जोन

डायरिया की समस्या

शरीर में पानी की कमी से डायरिया होता है. इसका समय पर इलाज न हो तो मरीज के लिए जानलेवा हो सकती है. इससे सर्वाधिक खतरा बच्चों को होता है. इससे राहत मिलने पर भी एक हफ्ते तक उपचार लेना चाहिए.

- **लक्षण** : दस्त, पेशाब न आना, पेट में ऐंठन या तेजदर्द, बुखार और उल्टी आना.
- **उपचार व बचाव** : शरीर में पानी की कमी न होने दें. फलों का रस नियमित लें, इससे पर्याप्त मात्रा में तरल की पूर्ति होगी व एनर्जी मिलेगी. फलों के जूस में समान मात्रा में नमक व चीनी मिलाकर पिएं. इलेक्ट्रॉल व जीवनरक्षक ओआरएस घोल डायरिया का सबसे सस्ता व कारगर उपचार है. अपने स्तर पर डायरिया का घरेलू उपचार करने के बाद भी यदि समस्या बढ़ती दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

डेंगू की मार

यह रोग एडीज नामक मच्छर के काटने से होता है. ऐसे में जरा-सी असावधानी से रोगी बेहोश होकर गंभीर अवस्था में पहुंच सकता है.

- **लक्षण** : बुखार, सिर-हाथ-पैर व बदन में तेज दर्द, उल्टी, जोड़ों में दर्द, दस्त व प्लेटलेट्स का अनियंत्रित रूप से घटना.
- **उपचार व बचाव** : डेंगू का एडीज मच्छर पानी में पनपता है. घर के आसपास पानी जमा न होनें दें. खाली गमले साफ करें. जहां पानी जमा है, वहां केरोसिन डाल दें. कीटनाशक छिड़काव करें.

एन्फ्लुएंजा का वायरस

यह वायरस के इंफेक्शन से होता है, इसलिए इसे वायरल फीवर भी कहते हैं. डायबिटीज व हृदयरोगियों को यह जल्दी प्रभावित करता है.

- **लक्षण** : 100 डिग्री से ज्यादा बुखार या सर्दी-जुकाम, गले में दर्द और बदन दर्द.
- **उपचार व बचाव** : भोजन करने से पहले व बाद में हाथों को अच्छे से साबुन से धोएं. घर में और आसपास साफ-सफाई रखें. बीमार व्यक्ति से ज्यादा संपर्क न बनाएं व तीमारदार सावधानियां बरतें. छींकते समय मुंह पर रुमाल रखें.

स्क्रब टाइफस से खतरा

यह पिस्सुओं के काटने से होने वाला संक्रामक रोग है. सतर्क रहकर यदि समय पर इसका इलाज किया जाए तो यह ठीक हो सकता है.

- **लक्षण** : तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, काटने वाली जगह पर फफोलेनुमा काली पपड़ी जैसा निशान दिखता है.
- **उपचार व बचाव** : इसकी पहचान के लिए ब्लड टेस्ट करते हैं. रोग का पता चलते ही दवाओं का कोर्स शुरू कर दिया जाता है और खानपान में बिना तेल व मसाले वाला भोजन देते हैं.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

07

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

'रन फॉर ह्यूमैनिटी' जश्न मानवता का सीजन 6 का प्रि-इवेंट मानसरोवर में संपन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। देश के सबसे प्रतिष्ठित दौड़ो में से एक 'रन फ़ॉर ह्यूमैनिटी' जश्न मानवता का सीजन 6 का आज 15वां व 16वां प्री इवेंट आज मानसरोवर जयपुर स्थित वेलफेयर सीनियर सेकेंडरी स्कूल व इंटरनेशनल स्कूल ऑफ इनफॉर्मेटिक्स एंड मैनेजमेंट मानसरोवर में आयोजित हुए। कार्यक्रम में वेलफेयर स्कूल के एवं आई एस आई एम कॉलेज के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं इस दौड़ के लिए मुफ्त रजिस्ट्रेशन भी कराया।

कार्यक्रम के आयोजक अप्लव सक्सेना ने बताया कि लगातार 6 सालों से मानवता के लिए होने वाली यह दौड़ पूरी तरह निःशुल्क होती है तथा इसमें हज़ारों आमजन पूरे जोश के साथ भाग लेते हैं, 15 वर्ष व छोटे बच्चों के लिए एक सैंटा रन भी आयोजित होगी, ये भी निःशुल्क ही रहेगी। 16 एवं इससे बड़ी आयु के लोगों के लिए यह 5 किलोमीटर की रन होगी एवं विजेता को एक इलेक्ट्रिक स्कूटी पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी।

कार्यक्रम के आयोजक कैरियर कनेक्ट ग्लोबल टीम, मुख्य प्रायोजक ए आर एल इंफ्राटेक, सह आयोजक व हेल्थ पार्टनर इटरनल हॉस्पिटल, फ्यूल फ्री पार्टनर बी आर जी एस मोटर्स, स्मार्टफोन पार्टनर टेक्नो मोबाइल, पावर्ड बाय पार्टनर जेकेजे ज्वेलर्स , फूड पार्टनर टी कनेक्ट , हॉस्पिटैलिटी पार्टनर आई एच् एम सी एस, असोसिएट पार्टनर राजस्थान हाइकोर्ट बार असोसिएशन , गिफ्ट पार्टनर रन फैक्टिरी , रामाज़ कुर्ती, वी एल सी सी इंस्टिट्यूट, मिलांज , कोड ब्लैक व जश्न क्लब आदि हैं। सक्षम संस्थान, स्टेप बियॉन्ड बॉर्डर्स, इवेंट्स बाई रवि,हार्ट डिज़ायर,फायर बोर्न , एडुबिल्ड , क्रिएटिव कार्नर, राज डिजिटल स्टूडियो, हू इज हुसैन, रिदम फाउंडेशन, पुनम फाउंडेशन, नवयुग थिंक इंडिया फाउंडेशन आदि कार्यक्रम के अन्य सहयोगी संगठन हैं।

वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल का शानदार आगाज

100 से अधिक जाने-माने हेल्थ और वेलबीइंग एक्सपर्ट अगले 3 दिनों में 30 से अधिक सत्रों का करेंगे संचालन

जयपुर। गुलाबी शहर जयपुर वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल के पहले संस्करण का मेजबानी कर रही है जो आज से होटल क्लार्क्स आमेर में शुरू हुई है। इस इवेंट का उद्घाटन इवेंट के चीफ गेस्ट एचएच श्री आचार्य डॉ. लोकेश मुनी जी के कर कमलों से हुआ जो कि ध्यान, योग और शांति शिक्षा के क्षेत्र में आचार्य हैं। जानेमाने अभिनेता, गायक, निर्देशक, रेडियो जॉकी और टेलीविजन प्रस्तोता, श्री अन्नू कपूर जी, और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध और अग्रणी होलिस्टिक हेल्थ गुरु और कॉर्पोरेट लाइफ कोच, श्री मिकी मेहता इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता डब्ल्यूएचडब्ल्यूएफ के संरक्षक पं. सुरेश मिश्रा ने की । इस तीन दिवसीय कार्यक्रम को आयुष मंत्रालय का सहयोग प्राप्त है और इस दौरान मुख्य रूप से हेल्थ और वेलनेस में प्रगति और होलिस्टिक लाइफ के बढ़ावा की अवधारणा, आध्यात्मिक शांति और बिना किसी बाधा के जीवन पर गणमान्य लोग अपने-अपने विचार रखेंगे। इस इवेंट के पहले दिन हेल्थ और वेलबीइंग के क्षेत्र से कई जाने-माने चेहरे आए और उन्होंने कई प्रमुख विषयों पर अपने बहुमूल्य विचार रखें और जानकारी प्रदान की। एचएच श्री आचार्य डॉ. लोकेश मुनी जी ने होलिस्टिक वेलबीइंग के महत्व और शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक वेलबीइंग को समान महत्व क्यों दिया जाना चाहिए इस पर अपने विचार रखे। 'डब्ल्यूएचडब्ल्यूएफ का आयोजन एक ऐसे समय पर हो रहा है जब पूरी दुनिया इस महामारी के बाद के समय से गुजर रही है, हमने इस दौरान लोगों को ज्ञान, योग, नेचुरोपेथी, आयुर्वेद और वेलनेस पर खास ध्यान देते देखा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि डब्ल्यूएचडब्ल्यूएफ जैसे आयोजन जहां 100 से अधिक स्पीकर 30 से अधिक सत्रों का संचालन कर रहे हैं, खासतौर पर इस महामारी के बाद के समय में हेल्थ और वेलबीइंग की दिशा में आम लोगों को जागरूक करने में मदद करेंगे जहां मानसिक और शरीर से जुड़ी बीमारियों में वृद्धि देखी गई है। वेलबीइंग का मतलब बस फीजिकल हेल्थ नहीं होता है बल्कि इसमें मानसिक और व्यवहार भी शामिल होता है।

परिवार के साथी शहीद

चले गए सब कुछ छोड़ कर
हंसते-हंसते हो गए शहीद
देश के सच्चे देशभक्त
उनके आने से घर आंगन में
खुशियों की बहार आती
लूट गया सब कुछ
वीरान हो गया
रह गई केवल
कानों में गूंजती
बूढ़े मां बाप की सिसकियाँ
बच्चों का
दिल दहला देने वाला
रोना बिलखना
लेकर बैठी
पत्नी खाली हाथ
सिंदूर का सूनापन
अपनी सुध बुध खोकर
गुम सुम सी एक
पत्थर की मूर्ति बनी बैठी है
ड्योढ़ी सूनी पड़ी है
जहां खड़े होकर देखा
करती उनकी राह
जो हुआ करते थे अपने
घर परिवार के
दुख सुख के साथी
आज अपना सर्वस्व
न्यौछावर कर चले गए

अनीता सिंह

हमारे प्यारे वन्य जीवः लेपर्ड्स

कविता माथुर, जयपुर

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार और चॉकलेट्स

बच्चों! आर्मी परिवार की होने कारण मुझे समंदर, पहाड़ों और जंगलों में रहने के बहुत मौक़े मिले हैं। ज़ाहिर है तजुर्बे भी बहुत हुए होंगे। आसाम के जंगलों में जब हमारी रेजिमेंट थी तब अक्सर सुनने में आता था कि आज फलां ऑफिसर के डॉगी को ईवनिंग वॉक पर जाते वक़्त देखते ही देखते लेपर्ड उठा कर ले गया। तो आज फलां के घर के गार्डन पर लेपर्ड रात भर डेरा जमाये बैठा रहा। एक बार तो हमने रात को एक फ़ंक्शन में जाते समय एक गाय को उसके हाल ही में जन्मे नन्हे से बछड़े के साथ सड़क पर देखा था। क़रीब पंद्रह मिनट बाद कुछ शोर सा सुनाई दिया। जवान दौड़ कर उस दिशा में गये और उन्होंने पाया कि वो अभी अभी पैदा हुआ बछड़ा एक लेपर्ड का शिकार बन गया है। लेकिन हम दुःखी होने के सिवा कर ही क्या सकते थे , आख़िर 'जीव जीवस्य भोजनम्! ' हैं न!

कुछ दिनों बाद ही काफ़ी मशक़्क़त के बाद सेना के जवानों द्वारा एक लेपर्ड पकड़ा गया था जिसे स्कूल के बच्चों को ख़ास तौर पर दिखाने भी ले ज़ाया गया था।

एक बात बताऊँ बच्चों! इतनी बड़ी पृथ्वी पर इंसानों के रहने के लिए बहुत जगह है, मगर फिर भी हमने हमारे साथी जंगली जीवों के घरों पर क़ब्ज़ा जमा लिया जिससे वो बेचारे बार बार हमारी बस्तियों में आ जाते हैं। भूखे होते हैं तो हमारे मवेशी उठा ले जाते हैं। अब उनमें इतनी अक़्ल थोड़ी होती है कि ये जान सकें कि फलां जानवर श्रीमान माथुर साहब का है, हमें नहीं ले जाना चाहिए। अरे भई, सबसे ज़्यादा बुद्धिमान जानवर तो हम इंसान ही हैं न्! हैं कि नहीं!

अच्छा ये बताइये कि क्या आप जानते हैं कि बिल्ली को शेर की मौसी कहा जाता है और ये भी कि चतुर-चालाक बिल्ली मौसी ने कैट-फ़ैमिली यानी कि फ़ीलाइन फ़ैमिली के सैंतीस मेंबरान को सारी ट्रिक्स सिखा दीं सिर्फ़ एक को छोड़कर-पेड़ पर चढ़ना। लेकिन इनमें से एक बिल्ली से भी ज़्यादा चतुर और तेज़ निकला जिसने झट से ये ट्रिक भी सीख ली। जानते हो वो कौन सा सदस्य था? वो थे जनाब यही लेपर्ड साहब। जी हाँ बच्चों, आपने लेपर्ड्स की पेड पर बैठे हुए तस्वीरें देखी ही होंगी। इसकी इसी स्किल की वजह से पेड़ों के बाशिंदे बंदरों के लिए ये बहुत बड़ा ख़तरा होते हैं क्योंकि बंदर लेपर्ड्स के सबसे पसंदीदा खाने में शामिल है। इसके अलावा इन्हें डॉग्स या ओकेज़नली बकरियाँ भी पसंद होती हैं।

चलिये अब से हम इन्हीं कैट परिवार के बारे में जानते हैं! ठीक है न?

क्रमशः

श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान की वाहन रैली अलबर्ट हॉल से होगी प्रारम्भ

22 दिसंबर को जयपुर में होगा हीरक जयन्ती समारोह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। श्री क्षत्रिय युवक संघ के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आगामी 22 दिसम्बर 2021 को जयपुर में हीरक जयन्ती समारोह का आयोजन किया जायेगा।

संघ द्वारा समारोह को सफल बनाने के लिए अनेक आयोजन किए जा रहे हैं, बैठकों का दौर चल रहा है। इसी क्रम में प्रस्तावित समारोह को सफल बनाने के लिए 16 दिसंबर को दोपहर 1.30 बजे वाहन रैली निकाली गई।

गजेन्द्र सिंह मानपुरा ने बताया कि वाहन रैली को उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ एवं पूर्व राज्य मंत्री एवं कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र राठौड़ अलबर्ट हॉल से रवाना करेंगे। इसके पश्चात वाहन रैली न्यू गेट, यादगार भवन, एम जी डी स्कूल से अशोक मार्ग, गवर्मेन्ट चौराहा, कलेक्ट्री सर्किल, चौमूं पुलिया, झोटवाड़ा पुलिया, काँटा चौराहा होते हुए संघ शक्ति के कार्यालय ए-8 तारानगर झोटवाड़ा में समापन होगा।

इंतज़ार किसका

कमलेश शर्मा
जयपुर

करना है जो आज ही कर लो,
कल कभी ना आएगा ।
मिलना जिसे हो आज ही मिल लो,
वक़्त बीत जाएगा।
कहना है जो आज ही कह लो,
बात रह जाएगी।
ज़िंदगी का क्या भरोसा ..
कब साँस निकल जाएगी।
माँगो माफ़ी ,माफ़ कर दो,
वक़्त बीत जाएगा।
सोचते गर तुम रहे तो,
देर फिर हो जाएगी।
किससे शिकवा क्या गिला,
इससे किसी को क्या मिला।
वक़्त कब आ जाएगा ...
दुनिया ये छूट जाएगी।

इंसानियत की क़द्र कर लो,
जो भी करना है वो करलो,
सोचते रह जाओगे
ओर जान निकल जाएगी।
इंतज़ार क्यों करें..
कल कभी आता नहीं,
करना है जो भी आज कर लें,
देर फिर हो जाएगी
ऊँच नीच जात पात ..
इंसानियत पे दाग़ हैं,
जाना सभी को एक दिन,
इंसानियत रह जाएगी।

एक्सपो दुबई 20ः विश्व का मेगा-इवेंट

देश-विदेश

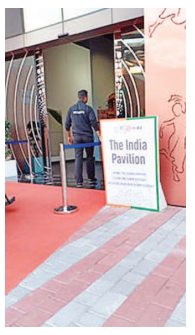

2021 के अंतिम तीन महीनों के दौरान चमक-दमक वाले दुबई(यूएई) में तीन बड़े/मेगा इवेंट हुए। क्रिकेट की आईपीएल सीरीज, क्रिकेट का वर्ल्ड-कप और दुबई एक्सपो 2020। दुबई एक्सपो अभी भी चल रहा है और 31 मार्च 22 तक चलेगा। दरअसल, नवंबर 2013 में, संयुक्त अरब अमीरात ने 2020 में दुबई में वर्ल्ड एक्सपो की मेजबानी करने का अधिकार/खिताब जीता था। ऐसा पहली बार हुआ है जब मध्य-पूर्व में वर्ल्ड एक्सपो का मंचन किया जा रहा है। इस तरह का वैश्विक मेगा-इवेंट देश-विदेश से करोड़ों आगंतुकों को आकर्षित करता है। इस बार दुबई का वर्ल्ड एक्सपो 'कनेक्टिंग माइंड्स, क्रिएटिंग द फ्यूचर' की थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है। माना जाता है कि इस थीम के माध्यम से, एक्सपो दुबई 2020 एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा, जो दुनिया भर की प्रतिभाओं, उद्यमियों और व्यापारियों को जोड़ेगा और सभी को, विशेष रूप से कोविड-19 की महामारी के दौरान, विश्व की साझा चुनौतियों से जूझने के लिए पृष्ठभूमि तैयार करेगा। दुबई प्रशासन के आयोजकों का कहना है कि 'हम सभी के पास एक बेहतर दुनिया बनाने और भविष्य को एक सुखद स्वरूप देने की शक्ति है। हम कैसे स्थिरता, गतिशीलता और प्राप्त अवसरों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ें और एक सुंदर भविष्य का निर्माण करें ,यह एक्सपो दुबई 2020 का मुख्य अभिप्रेत है।'

मूल रूप से 20 अक्टूबर 2020 से 10 अप्रैल 2021 तक यह मेगा इवेंट आयोज्य था किन्तु संयुक्त अरब अमीरात और अन्य जगहों पर कोविड-19 महामारी के कारण, नई तारीखें तय की गईं और अब दुनिया का यह विशाल आयोजन अक्टूबर 2021 से 31 मार्च 2022 तक हो रहा है। विश्व स्तर के इस इस शानदार आयोजन/मेले में दुनिया के 192 देश अपनी पूरी छवि-छटा,सांस्कृतिक विरासत और शान-शौकत के साथ अपनी कला,संस्कृति,वैज्ञानिक,वाणिज्यिक आदि उपलब्धियों को अपने-अपने मण्डपों में कलापूर्ण ढंग से दर्शा रहे हैं।

इस मेगा ईवेंट में भारत का भी अत्याधुनिक मंडप है जो 8,750 वर्ग मीटर पर फैला हुआ है। भारत के केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने एक अक्टूबर, 2021 को दुबई एक्सपो 2020 में भारत के इस पवेलियन का उद्घाटन किया। दुबई एक्सपो में भारतीय पवेलियन/मंडप की कल्पना एक हाई-टेक संरचना के रूप में की गई है। यह प्राचीन भारत के साथ-साथ भविष्य के भारत की संस्कृतिगत विशेषताओं को चित्रों,चलचित्रों और डिजिटल तकनीक से प्रदर्शित करता है। विशाल चार मंजिला भारतीय मंडप योग, साहित्य, आयुर्वेद, कला, व्यंजन और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सहित भारत के लोकप्रिय उत्पादों की निर्यात-संभावनाओं को भी उजागर करता है। भारत के इस पवेलियन को 'इंडिया ऑन द मूव' और 'इंडिया द डायवर्सिटी' की व्यापक थीम के तहत स्थापित/निर्मित किया गया है।

यूएई, जापान, इटली, जर्मनी, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, यूके, यूएसए, काजाकिस्तान, भारत, सऊदी अरब आदि समेत लगभग 192 देश यहाँ इक्ट्ठा हुए हैं और इन सभी के अपने अलग-अलग मंडप/पैवेलियन हैं। दुबई एक्सपो एक अक्टूबर को शुरु हुआ और 31 मार्च तक यानी कुल 182 दिन चलेगा। मना जाता है कि इसको देखने के लिए दुनियाभर से ढाई करोड़ दर्शकों के आने की उम्मीद है। पूर्व में कहा गया है कि इस एक्सपो में 192 देश हिस्सा ले रहे हैं। पूरा एक्सपो 110 हेक्टेयर इलाके में फैला हुआ है। इसके सेंट्रल गुंबद को बनाने में 550 टन स्टील का इस्तेमाल हुआ है। एंट्रीगेट(प्रवेश द्वार) की ऊंचाई 21 मीटर है।

कुल मिलाकर 31 मार्च 22 तक चलने वाले इस नयनाभिराम महायोजन में दुनिया के 192 देश अपनी कार्यक्षमताओं, तकनीक और कला-संस्कृति को दुनिया को दिखाएंगे। एक तरह से एक्सपो दुबई 20 दुनियाभर की दिग्गज कंपनियों के प्रोडक्ट्स के साथ-साथ उनकी नई तकनीक, नवाचार और विभिन्न सांस्कृतिक धरोहरों का एक अदभुत संगम-स्थल है। दुबई एक्सपो 2020 के पांच मुख्य संदेश बताए जाते हैं, जो इस प्रकार से हैंः किसी को पीछे न छोड़ें, पुलों का निर्माण करें, एक-साथ आगे बढ़ें, संतुलन बनाए रखें और मानवता के सामने आज की बड़ी चुनौतियों का पता लगाकर उनका अध्ययन करें।

डॉ. शिबन कृष्ण रैणा, दुबई

सर्दियों की छुट्टियों में राजस्थान से 6 स्पेशल ट्रेन चलेंगी

मुम्बई-गोवा-हैदराबाद-अहमदाबाद और भोपाल-शिरड़ी-अहमदाबाद-सूरत-वड़ोदरा का सफर आसान

जयपुर। सर्दियों की छुट्टियों में रेलवे ने राजस्थान से होकर 6 स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। विंटर वैकेशन में फैमिली के साथ ट्रिप पर जाने की प्लानिंग इससे आसान होगी। न्यू ईयर मनाने के लिए लोग अक्सर घूमने जाते हैं। ऐसे में लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्पेशल ट्रेन चलाने जा रहा है। ये 6 जोड़ी ट्रेनें दोनों तरफ के रूट पर 26 दिसम्बर से शुरु होकर जनवरी 2022 के पहले सप्ताह तक चलेंगी।

राजस्थान से होकर चलने वाली 6 जोड़ी स्पेशल ट्रेन

1. ट्रेन नम्बर- 04705/04706, बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस- बीकानेर स्पेशल ट्रेन वाया जोधपुर, समदडी, जालौर, भीलडी, महेसाना,अहमदाबाद चलेगी। ट्रेन नम्बर 04705- बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन 26.12.21 और 02.01.22 को बीकानेर से 16.30 बजे रवाना होकर 27.12.21 और 03.01.22, सोमवार को 16.00 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 04706- बान्द्रा टर्मिनस- बीकानेर स्पेशल ट्रेन 27.12.21 और 03.01.22 को बान्द्रा टर्मिनस से 17.30 बजे रवाना होकर 28.12.21 औप 04.01.22 को 15.15 बजे बीकानेर पहुंचेगी।

2. ट्रेन नम्बर 09739/09740, ढेहर का बालाजी-जयपुर-साईंनगर शिरड़ी-ढेहर का बालाजी-जयपुर स्पेशल वाया कोटा, उज्जैन, भोपाल, मनमाड़ चलेगी। ट्रेन नम्बर 09739- ढेहर का बालाजी-जयपुर-साईनगर शिरड़ी स्पेशल ट्रेन 27.12.21 और 03.01.22 को ढेहर का बालाजी से 12.40 बजे रवाना होकर मंगलवार को 13.00 बजे साईनगर शिरड़ी पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 09740- साईंनगर शिरड़ी-ढेहर का बालाजी-जयपुर-स्पेशल ट्रेन 28.12.21 और 04.01.22, मंगलवार को साईनगर शिरड़ी से 18.30 बजे रवाना होकर बुधवार को 17.40 बजे जयपुर के ढेहर का बालाजी पहुंचेगी।

3. ट्रेन नम्बर 09737/09738, जयपुर-हैदराबाद-जयपुर स्पेशल वाया अजमेर, चित्तौडगढ, रतलाम, भोपाल, अकोला, नान्देड, निजामाबाद, सिकन्दराबाद चलेगी। ट्रेन नम्बर 09737- जयपुर-हैदराबाद स्पेशल ट्रेन 26.12.21 और 02.01.22, रविवार को जयपुर से 15.20 बजे रवाना होकर मंगलवार को 01.00 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 09738- हैदराबाद-जयपुर स्पेशल ट्रेन 28.12.21 और 04.01.22, मंगलवार को हैदराबाद से 15.10 बजे रवाना होकर गुरूवार को 05.25 बजे जयपुर पहुंचेगी।

4. ट्रेन नम्बर 09723/09724, जयपुर-बान्द्रा टर्मिनस-जयपुर सुपरफास्ट स्पेशल वाया अजमेर, चित्तौडगढ, रतलाम, वडोदरा, बोरीवली चलेगी। ट्रेन नम्बर 09723- जयपुर-बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 29.12.21 और 05.01.22, बुधवार को जयपुर से 08.10 बजे रवाना होकर गुरूवार को 04.55 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 09724- बान्द्रा टर्मिनस-जयपुर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 30.12.21 और 06.01.22, गुरूवार को बान्द्रा टर्मिनस से 11.15 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 07.00 बजे जयपुर पहुंचेगी।

5. ट्रेन नम्बर 09621/09622, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल वाया जयपुर, कोटा, रतलाम, वडोदरा, बोरीवली चलेगी। ट्रेन नम्बर 09621- अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 26.12.21 और 02.01.22, रविवार को अजमेर से 06.35 बजे रवाना होकर सोमवार को 04.15 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 09622- बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 27.12.21 और 03.010.22, सोमवार को बान्द्रा टर्मिनस से 11.15 बजे रवाना होकर मंगलवार को 09.10 बजे अजमेर पहुंचेगी।

6. ट्रेन नम्बर 09619/09620, अजमेर-वास्को-द-गामा-अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल वाया जयपुर, कोटा, रतलाम, सूरत, पनवेल, रत्नागिरी, मडगांव चलेगी। ट्रेन नम्बर 09619- अजमेर-वास्को-द-गामा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 25.12.21 और 01.01.22, शनिवार को अजमेर से 09.00 बजे रवाना होकर रविवार को 21.45 बजे वास्को-द-गामा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नम्बर 09620- वास्को-द-गामा-अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 27.12.21 और 03.01.22, सोमवार को वास्को-द-गामा से 09.20 बजे रवाना होकर मंगलवार को 20.00 बजे अजमेर पहुंचेगी।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> मंगलवार, 21 दिसम्बर, 2021

राजस्थान के हेल्थ मिनिस्टर का ओमिक्रॉन पर बोले

हम स्कूल-कॉलेज बंद नहीं करेंगे, नए वैरिएंट के केस कंट्रोल में, सभी नेगेटिव हुए

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के नेचर को समझने और उसे कंट्रोल करने के लिए देश-दुनिया के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ चिंतित हैं। वहीं, राजस्थान के हेल्थ मिनिस्टर परसादी लाल मीणा ने इस वैरिएंट को लेकर बेफिक्र होने की बात कही है। मीणा ने कहा कि ओमिक्रॉन का संक्रमण राज्य में नियंत्रित है। यहां मिले सभी 17 मरीज नेगेटिव हो चुके हैं। फिलहाल इस नए वैरिएंट से राज्य को कोई खतरा नहीं है। इसी के चलते हम प्रदेश में स्कूल-कॉलेजों को बंद नहीं करेंगे।

मंत्री ने कहा कि लोगों और अभिभावकों में ये चिंता है कि कोरोना का नया वैरिएंट आ गया है। ऐसे में क्या स्कूल-कॉलेज फिर बंद होंगे? उन्होंने कहा- तो मैं बता दूं कि ऐसा कुछ नहीं है। हम अभी स्कूल-कॉलेज बिल्कुल बंद नहीं करेंगे। राजस्थान ने ओमिक्रॉन को काबू में कर लिया है। एक भी संक्रमित को बड़े स्तर पर लोगों के संपर्क में नहीं आने दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों दक्षिण अफ्रीका से एक परिवार आया था। उसके संपर्क में जितने भी लोग आए उन सभी की हमने ट्रेसिंग करके टेस्टिंग की। इनमें जो लोग जीनोम सिक्वेंसिंग में ओमिक्रॉन संक्रमित मिले थे, वे अब सभी ठीक हो चुके हैं। घर जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सभी की कोरोना रिपोर्ट 2 या उससे ज्यादा बार नेगेटिव आ चुकी है।

31 दिसंबर तक 100 फीसदी वैक्सीनेशन का टारगेट: मंत्री परसादी लाल ने बताया कि हमारा पूरा फोकस कोरोना को कंट्रोल करने के साथ-साथ वैक्सीनेशन को पूरा करने पर है। हमने 31 दिसंबर तक 100 फीसदी वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा है। हमने हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर के लिए बूस्टर डोज लगाने की अनुमति केन्द्र सरकार से मांगी है। प्रधानमंत्री की तरफ से इसका अब तक कोई जवाब नहीं आया है।

87 फीसदी को पहली डोज: राजस्थान में वर्तमान में वैक्सीनेशन की स्थिति देखें तो सभी टारगेट ग्रुप के करीब 5 करोड़ 14 लाख 95,402 लोगों में से 4 करोड़ 49 लाख 27,680 लोग ही वैक्सीन लगवाने पहुंचे हैं। यानी 87 फीसदी को वैक्सीन की सिंगल डोज भी नहीं लगी है। इनमें से भी अब तक 3 करोड़ 5 लाख 1244 लोगों का वैक्सीनेशन पूरा हुआ है। यानी इतने लोगों को दोनों डोज लग चुकी है।

सीएम का विरोधियों को जवाबः गहलोत बोले... मेरी जाति का एक ही एमएलए खुद मैं ,छत्तीस कौम मुझे प्यार नहीं करती तो तीसरी बार सीएम नहीं बनता

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में अपने विरोधियों पर सियासी निशाना साधते हुए बोले, कि सीएम जाति से नहीं बनते हैं, बल्कि छत्तीस कौमों के प्यार से ही सीएम बन सकते हैं। मैं तीसरी बार सीएम छत्तीस कौमों के प्यार की बदौलत से बना हूं। ना कि किसी जाति की वजह से। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। अशोक गहलोत ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि मैं जाति-पाति के हिसाब से कभी नहीं बन सकता था। मेरी जाति का मैं एकमात्र एमएलए हूं और वो भी मैं खुद हूं। छत्तीस कौम मुझे प्यार नहीं मिलता। प्रदेश की जनता मुझ पर विश्वास नहीं करती और प्यार नहीं करते तो आज मैं यहां आपके सामने खड़े होकर दो बातें कहने की स्थिति में नहीं होता। जनता का प्यार, विश्वास और आशीर्वाद है, जिसके दम पर तीसरी बार सीएम बना हूं। अशोक गहलोत का यह बयान एक तरह से पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर सियासी हमला है। अशोक गहलोत ने अपनी ही जाति का एकमात्र विधायक होने व तीसरी बार सीएम बनने की कहकर एक तरह से विरोधियों को जवाब दिया है। गहलोत का संदेश है कि उनकी सभी जातियों में जबरदस्त पकड़ है। लोग उन्हें चाहते हैं, प्यार करते हैं और विश्वास करते हैं। यही प्यार उन्हें बार-बार सीएम पद पर पहुंचाता है। विरोधियों को जवाब दिया है कि वह जाति के कारण नहीं बल्कि राजनीतिक कौशल, पकड़ और सभी को साथ लेने के जादूई कला से सीएम पद पर है। गौरतलब है कि विरोधी खेमा लगातार सीएम को बदलने की मांग करता रहा है। बगावती रुख अपनाते हुए 19 विधायक सचिन पायलट के नेतृत्व में राज्य के बाहर एक होटल में ठहरकर पार्टी नेतृत्व पर दबाव भी बनाया। तब आरोप लगे थे कि बीजेपी के सहयोग से विरोधी खेमे ने यह बगावत की है ताकि मध्यप्रदेश की तर्ज पर राजस्थान की सरकार को अस्थिर की जा सके। हालांकि पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की समझाइश के बाद सचिन पायलट माने थे। पायलट और गहलोत में संवाद करवाया, लेकिन अभी दोनों ही खेमे एक-दूसरे पर गाहे-बगाहे बयान देने से नहीं चूकते। गले भले ही मिल गए, लेकिन अभी दिल नहीं मिले हैं।

अंबेड़कर के नाम यूनिवर्सिटी का सपना पूरा, लेकिन कोई वीसी के लिए तैयार नहीं हुआ: कार्यक्रम में गहलोत ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर यूनिवर्सिटी देने का सपना आखिर पूरा हुआ। मुझे लगता है उस सपने को पूरा करने के लिए ही प्रदेश की जनता ने लोगों ने मुझे तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया है। कई साथियों ने इस यूनिवर्सिटी का वीसी बनने से मना कर दिया था। कोई वीसी बनने से मना कर दे तो वह आश्चर्य की बात है। वीसी बनाने से मना करने वाले लोगों के नाम नहीं बताऊंगा। गहलोत ने यह भी कहा कि पिछले कार्यकाल में हमने अंबेडकर के नाम से लॉ यूनिवर्सिटी और हरिदेव जोशी के नाम से पत्रकारिता यूनिवर्सिटी शुरू की। हमारी सरकार बदली तो पता नहीं क्यों दोनों विश्वविद्यालयों को बीजेपी सरकार ने बंद कर दिया। आज तक समझ नहीं आ रहा है। देश में कोई विश्वविद्यालय बनने के बाद आज तक बंद नहीं हुआ, लेकिन अंबेडकर और हरिदेव जोशी दोनों ही महान हस्तियों के नाम पर महत्वपूर्ण विषयों के विश्वश्विद्यालय क्यों बंद कर दिए गए। यह समझ से परे है। तीसरी बार फिर से सीएम का मौका मिला तो हमने फिर से दोनों विश्वविद्यालयों के एक्ट बनाकर शुरु किया है।

राज्य सरकार के तीन वर्षः शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं से सुगम हुआ आमजन का जीवन : मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को मिली 1122 करोड़ के 1194 विकास कार्यों की सौगात

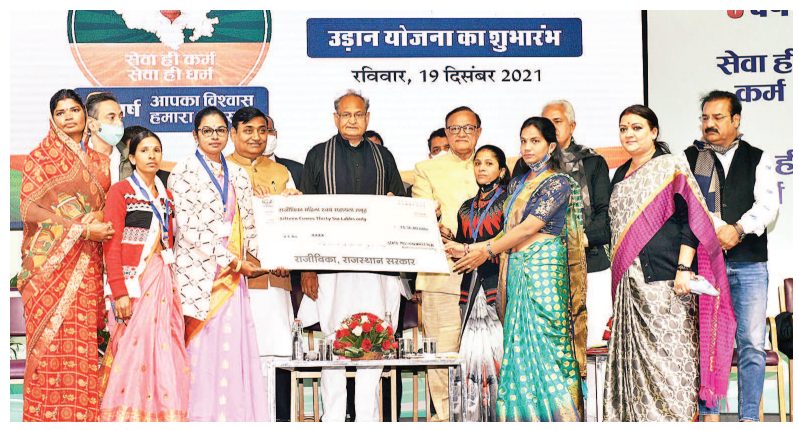

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने विगत तीन वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, ताकि वंचित, पिछड़े एवं जरूरतमंद वर्गों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके और आमजन का जीवन सुगम बनाया जा सके। हमारा प्रयास रहा है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, हर व्यक्ति को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिले और हर परिवार को सामाजिक सुरक्षा मिले। हमारी सरकार इस उद्देश्य को पूरा करने में सफल रही है। गहलोत रविवार को राज्य सरकार के तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास तथा जागृति बैक टू वर्क योजना, आईएम शक्ति उड़ान योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना और डीबीटी वाउचर योजना के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 12 विभागों के करीब 1122 करोड़ रूपए के 1194 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें करीब 454 करोड़ रूपए की लागत के 90 विकास कार्यों का शिलान्यास और 668 करोड़ रूपए की लागत के 1104 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने जन कल्याण पोर्टल मोबाइल एप एवं ई-मित्र एट होम का शुभारंभ तथा उड़ान योजना के शुभंकर, संचार रणनीति पुस्तिका एवं पोस्टर का विमोचन भी किया। साथ ही, प्रतीकात्मक रूप से 8 एम्बुलेंस और 2 बाइक एम्बुलेंस को रवाना किया। प्रदेश में करीब 100 एम्बुलेंस विभिन्न जिलों में भेजी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किशोरियों एवं महिलाओं को निःशुल्क सैनेटरी नेपकीन वितरण के लिए आज जो उड़ान योजना शुरू की है, उसमें धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। योजना के पहले चरण के लिए राज्य सरकार ने 200 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाएं, सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ तथा अधिक से अधिक जनभागीदारी के साथ इस योजना को सफल बनाया जाए, ताकि गांव-ढाणी तक महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। गहलोत ने राज्य सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों में किए नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की अनिवार्य एफआईआर रजिस्ट्रेशन की नीति के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पहले दुष्कर्म के करीब 33 प्रतिशत केस कोर्ट के इस्तगासे से दर्ज होते थे। अब वे कम होकर 15 प्रतिशत पर आ गए हैं। इसी प्रकार महिला अपराधों के त्वरित अनुसंधान के लिए हर जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर का पद सृजित होने से दुष्कर्म के मामलों में अनुसंधान का औसत समय 274 दिन से घटकर 73 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि थानों में फरियादियों की सुनवाई के लिए स्वागत कक्ष निर्माण की अनूठी पहल की गई है। इसका मकसद थाने में आने वाले हर फरियादी की बात मान-सम्मान के साथ सुनना है। प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत थानों में स्वागत कक्ष बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रूपए खर्च कर ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए अब तक 26 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में काफी गिरावट आई है। हमारा प्रयास है कि यह शून्य स्तर पर आए।

शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का क्रांतिकारी फैसला लिया। करीब 88 हजार विद्यार्थी इन विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। लोगों में इन विद्यालयों के प्रति विशेष उत्साह देखते हुए राज्य सरकार ने 5 हजार की आबादी वाले गांव-कस्बों में भी करीब 1200 स्कूल खोलने की घोषणा की है। इस दिशा में आज 178 और स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। साथ ही, 25 प्री-प्राइमरी ब्लॉक एवं छात्रावास का भी लोकार्पण किया गया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व फैसले लेकर गांव-ढाणी तक लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना के बाद निरोगी राजस्थान, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना ऐसे बड़े कदम हैं, जिनसे गरीब परिवार इलाज के खर्च से चिंतामुक्त हो गए हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि आज शुरू की गई आईएम शक्ति उड़ान योजना राज्य सरकार के निरोगी राजस्थान के संकल्प को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में करीब 28 लाख किशोरियों एवं महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा तथा दूसरे चरण में प्रदेश की करीब 1.20 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार जागृति बैक टू वर्क योजना से महिला सशक्तीकरण की भावना को मजबूती मिलेगी।

अब यूडीएच मंत्री धारीवाल बोले...

हिंदुत्व का मतलब कट्टरवादी हिंदू

कहा... हिंदू धर्म मख़मली-मुलायम है, लेकिन साध्वी प्रज्ञा से लेकर बजरंग दल वगैरह क्या हैं

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। हिंदू और हिंदुत्व को लेकर पिछले रविवार को हुई रैली में राहुल गांधी के बयान के बाद सियासी बयानबाजी लगातार बढ़ रही है। गहलोत सरकार में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा है कि हिंदुत्व का मतलब कट्टरवादी हिंदू से माना जाता है। मेरा व्यक्तिगत तौर पर भी यह मानना है और सामान्य तौर पर भी यही माना जाता है। कट्टरवादिता चाहे हिंदू की हो या मुस्लिम की हो वह अच्छी बात नहीं मानी जाती। हिंदू तो हम सब हैं, लेकिन कट्टर होकर दूसरे धर्मों की आलोचना करना और उन्हें बर्दाश्त नहीं करना गलत है।

धारीवाल ने कहा- हिंदू धर्म बड़ा वाइड और मखमली और मुलायम धर्म है। यह हर तरह बर्दाश्त करने वाला सहिष्णु धर्म है। हर इंसान को अपनी पूजा पाठ के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, उसमें किसी का दखल नहीं हो। एक हिंदू है जो मुलायम है, वह किसी की आलोचना नहीं करता। एक वह हिंदू है जो कट्टर है, दूसरे धर्मों को बर्दाश्त नहीं करता। मेरी राय है कि हिंदुत्व शब्द कट्टरवादिता के लिए लिया है, कट्टरवादिता अच्छी नहीं है। आज मुस्लिम देशों को देख लीजिए। आज कई कट्टरवादी हैं। साध्वी प्रज्ञा से लेकर बजरंगदल वगैरह क्या है, इनकी क्या रीति नीति है? प्रवीण तोगड़िया का त्रिशूल बांटने का क्या मतलब था?

देश में हिंदू राज लाने के सवाल पर धारीवाल ने कहा- राज का कोई धर्म नहीं होता। जिस भी देश में एक धर्म का राज है, उसका सत्यानाश हो जाता है। एक धर्म का जहां राज रहा है, वहां पर हालात खराब हुए हैं, चाहे सीरिया हो, पाकिस्तान हो, अफगानिस्तान हो या इराक वहां भी एक ही धर्म का राज है। आप देख लीजिए वहां के हालात क्या हैं?

राहुल गांधी ने दिया था बयान: राहुल गांधी ने कहा था- ये देश हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं। मैं हिदू हूं, लेकिन हिंदुत्ववादी नहीं हूं। महात्मा गांधी हिंदू थे और नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी थे। हिंदू और हिंदुत्ववादी में फर्क होता है। हिंदू सत्य को ढूंढता है। मर जाए, कट जाए, फिर भी हिंदू सच को ढूंढता है। पूरी जिंदगी वो सच को ढूंढने में निकाल देता है। जबकि हिंदुत्ववादी पूरी जिंदगी सत्ता को ढूंढने और सत्ता पाने में निकाल देता है।

गहलोत ने कहा था- हिंदू राष्ट्र की बात करके बाकी धर्म के लोगों को कहां निकालोगे?: सीएम अशोक गहलोत ने कल कहा था कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले बताएं कि बाकी धर्मों के लोगों को कहां निकालोगे? सब धर्म के लोगों को क्या निकाल सकते हो? मुस्लिम धर्म के नाम पर पाकिस्तान बना था लेकिन उसके दो टुकड़े हो गए। बांग्लादेश अलग बन गया। वहां तो केवल उर्दू और बांग्ला दो भाषाएं थीं, हमारे यहां तो कई भाषाएं हैं।

'इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म' को करेंगे विकसितः गर्ग

जयपुर। आयुष मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने शासन सचिवालय में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में संचालित गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. गर्ग ने बैठक में आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सिद्ध चिकित्सा को शुरू करते हुए सभी आयुष विषयों को सम्मिलित करने, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अशैक्षणिक रिक्त पदों को शीघ्र भरने एवं शिक्षा मे आधुनिक शोध शामिल करने के लिए कहा। उन्होंने विभागान्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही भर्तियों में बोनस अंक एवं फर्जी डिग्रियों से उत्पन्न विवादों के निस्तारण के लिए विभागीय अधिकारियों को अतिरिक्त महाधिवक्ता के साथ बैठक कर शीघ्र निस्तारित करने के भी निर्देश दिये। आयुष मंत्री ने बजट घोषणाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय में होने वाले निर्माण के लिए भवन निर्माण समिति का गठन किये जाने एवं इस समिति में उच्च पद से सेवानिवृत अभियंता को शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले 'इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पंचकर्म' को विकसित करने के लिए अन्य राज्यों यथा केरल, विदेशों में संचालित मॉडल वैलनेस सेन्टर्स आदि का अध्ययन कर अधिकारियों को योजना बनाए जाने के भी निर्देश दिए।

स्वर्णिम विजय दिवस के 50 साल पूरे होने के अवसर अमर जवान ज्योति पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री गहलोत

31 दिसंबर 1971 तक के शहीदों के आश्रितों को नियुक्ति की घोषणा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए प्रदेश के सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों-जवानों के आश्रितों के परिवार के एक सदस्य को नियुक्ति के प्रावधान में 31 दिसंबर, 1971 तक के शहीदों के आश्रितों को भी शामिल करने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने शहीदों के आश्रितों की श्रेणी में शहीद की पुत्री के पुत्र एवं पुत्री (नवासा-नवासी), दत्तक नवासा-नवासी एवं शहीद के भाई-बहन के पुत्र एवं पुत्री को भी सम्मिलित करने की घोषणा की। गहलोत गुरूवार को स्वर्णिम विजय दिवस के 50 साल पूरे होने के अवसर पर यहां अमर जवान ज्योति पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए सैन्य अधिकारियों-जवानों के आश्रितों को नियुक्ति मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। पूर्व के नियमों में 15 अगस्त 1947 से 31 दिसंबर 1970 तक के राजस्थान के शहीदों के आश्रित परिवार के एक सदस्य को नियुक्ति देने का प्रावधान है।

हमारी सेनाओं के पराक्रम के आगे पाकिस्तान ने घुटने टेके: कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 16 दिसंबर 1971 के दिन को याद किया और कहा कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की मजबूत इच्छा शक्ति एवं दृढ निश्चय के साथ ही हमारी सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम के आगे पाकिस्तानी सेना ने घुटने टेक दिए और बांगलादेश का एक अलग राष्ट्र के रूप में उदय हुआ।

राजस्थान के हर घर में शहादत का जज्बा: गहलोत ने कहा कि मुझे गर्व है कि में ऐसे प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं जहां हर घर में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए शहादत का जज्बा है। कारगिल युद्ध में शहीद हुए प्रदेश के जवानों के घर जाने का मुझे मौका मिला तो वहां शहीद बेटे की माँ एवं पिता में अपने दूसरे बेटे को भी देश की रक्षा के लिए सीमा पर भेजने का जज्बा नजर आया। हमारी सशस्त्र सेनाओं के इस अदम्य साहस एवं पराक्रम पर हम सभी को गर्व है।

मुल्क को एक और अखण्ड रखना हम सभी की जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेकता में एकता वाले इस मुल्क को एक और अखण्ड रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमारे यहां विभिन्न धर्म, जाति एवं भाषाओं का समावेश है। सभी धर्म दूसरे धर्मों का सम्मान करना एवं सभी के साथ समानता का व्यवहार करना सिखाते हैं। सभी धर्मों में प्रेम और भाईचारे की सीख दी गई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की शिक्षाओं में भी आपसी प्रेम एवं भाईचारे पर जोर दिया गया है। गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी एवं स्व. राजीव गांधी को याद करते हुए कहा कि देश को एक एवं अखण्ड रखने के लिए उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दे दी।

शहीदों की वीरांगनाओं का शॉल ओढाकर सम्मान

मुख्यमंत्री ने 1971 की लड़ाई में शहीद हुए लांस नायक बहादुर सिंह की वीरांगना श्रीमती मिश्री देवी, शहीद रायफलमैन मोहन सिंह की वीरांगना श्रीमती नवल कंवर, शहीद ग्रेनेडियर सरदार सिंह की वीरांगना श्रीमती रूपा देवी, शहीद रायफलमैन रामसिंह के पुत्र नरेन्द्र सिंह, शहीद भारतीय नौसेना के जवान मदन सिंह के पुत्र नरेन्द्र सिंह शेखावत एवं शहीद हुकमाराम के पुत्र बलवीर जितरवाल को शॉल ओढाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। गहलोत ने सेवानिवृत सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों से भी मुलाकात की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**